मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 126
सोमवार, 17 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार में सत्ता की बिसात बिछी, एनडीए में कैबिनेट शेयरिंग फॉमूर्ला हुआ तय

पटना, 16 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद, नई एनडीए सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा और जदयू ने कैबिनेट में मंत्रियों के बंटवारे को लेकर पहले दौर की बातचीत पूरी कर ली है और एक फॉमूर्ले पर सहमति बन गई है।

सूत्रों के मुताबिक, गठबंधन इस सिद्धांत पर सहमत हो गया है कि हर छह विधायक पर एक मंत्री पद दिया जा सकता है। इस फॉमूर्ले से गठबंधन के मुख्य सहयोगियों और छोटे दलों के बीच विभागों का बंटवारा आसानी से होने की उम्मीद है।

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, जिन्होंने दिल्ली में भाजपा नेताओं से बातचीत की, वे आज पटना लौट रहे हैं। वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर विधायक दल की बैठक की तैयारी को आगे बढ़ाएंगे। जदयू विधायक दल की बैठक कल (सोमवार को) बुलाई जा सकती है। एनडीए के अगले नेता का चुनाव 18 नवंबर तक होने की उम्मीद है।

भाजपा अब अपनी कैबिनेट हिस्सेदारी को अंतिम रूप देने के लिए छोटे सहयोगियों से बातचीत शुरू करेगी। जीतन राम मांझी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने गया से दिल्ली आ रहे हैं। उपेंद्र कुशवाहा और चिराग पासवान भी इसी सिलसिले में दिल्ली जा रहे हैं। आज इन सब के बीच भी आपस में बातचीत होने की संभावना है।

चुनाव आयोग आज 18वीं विधानसभा चुनाव के नतीजे गवर्नर राजेंद्र आर्लेकर को सौंप रहा है। नीतीश कुमार ने सोमवार को कैबिनेट मीटिंग बुलाई है, जिसमें मौजूदा 17वीं विधानसभा को भंग करने की मंजूरी दी जाएगी, जिसके बाद वह इस्तीफा देंगे। 19 या 20 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं।

एनडीए ने 18वीं विधानसभा में स्पष्ट जनादेश हासिल किया है। बीजेपी 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि जदयू को 85 सीटें मिली हैं। सहयोगी दलों में एलजीपी ने 19, हम ने 5 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने 4 सीटें जीती हैं।

मंगलुरु में कई वाहन आपस में टकराए, तीन लोगों की मौत

मंगलुरु। मंगलुरु के पनंबूर चौराहे पर शनिवार सुबह दो टैंकर, एक ऑटो रिक्शा और एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) के आपस में टकराने से तीन लोगों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब सड़क पर आई गाय को बचाने के चक्कर में मुल्की से मंगलुरु आ रहा एक गैस टैंकर अचानक रुक गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया गया कि टैंकर के पीछे आ रहा ऑटो रिक्शा और उसके पीछे चल रही एक कार किसी तरह समय रहते रुक गईं। लेकिन इन वाहनों के पीछे तेज गति से आ रहा एक अन्य टैंकर ब्रेक फेल होने से एसयूवी से टकरा गया।

टक्कर का असर ऑटो रिक्शा पर भी पड़ा और इस दुर्घटना में ऑटो रिक्शा चालक तथा उसमें सवार दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

हालांकि, एसयूवी और टैंकर के चालक इस हादसे में सुरक्षित बच गए। दुर्घटना के कारण व्यस्त मंगलुरुझउडुपी राजमार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर

सुकमा, 16 नवम्बर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण ने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की एक टीम की सुबह भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों के पर्वतीय इलाकों में नक्सलियों के साथ उस वक्त मुठभेड़ शुरू हो गई जब टीम क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सली मारे गए हैं और अभियान अब भी जारी है। नक्सलियों के खिलाफ इस हालिया कार्रवाई के साथ इस वर्ष छत्तीसगढ़ में हुई मुठभेड़ों में अब तक 262 नक्सली मारे जा चुके हैं।

इनमें से 233 नक्सली बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें सुकमा सहित सात जिले शामिल हैं जबकि 27 अन्य गरियाबंद जिले में मारे गए जो रायपुर संभाग में आता है। दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो नक्सली मारे गए।

बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लगाने से कांग्रेस को आगामी चुनाव में भी शिकस्त मिलेगी: फडणवीस

मुंबई, 16 नवम्बर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग या अदालतों में बिना कोई सबूत पेश किए वोट चोरी और चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाने से कांग्रेस को आगामी चुनावों में भी हार का सामना करना पड़ेगा। हाल ही में हुए बिहार चुनाव में कांग्रेस की करारी हार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फडणवीस ने यह टिप्पणी की। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को केवल छह सीट पर जीत मिली। छत्रपति संभाजीनगर जिले के चिखलथाना में एक कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक किस्मत बदलने के लिए जनता से फिर से जुड़ना होगा और उसके मुद्दों को ईमानदारी से उठाना होगा। फडणवीस ने रावसाहेब दानवे, मंत्री अतुल सावे, पंकजा मुंडे, मेघना बोर्डिकर और सांसद भागवत कराड की उपस्थिति में भाजपा के नए क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी जीत पर उन्होंने कहा, देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करता आ रहा है और देश की जनता विपक्ष के झूठे विमर्श का सीधा जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को निराधार आरोप लगाना बंद करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस वोट चोरी और ईवीएम जैसे मुद्दे उठाती है, लेकिन जब अदालत या निर्वाचन आयोग सबूत मांगता है, तो वे सबूत देने में विफल रहते हैं। अगर वे अपने रवैये में सुधार नहीं करेंगे, तो मेरा अनुमान है कि आगामी स्थानीय चुनाव में भी उन्हें ऐसी ही हार का सामना करना पड़ेगा।

आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है: मुख्यमंत्री नायडू

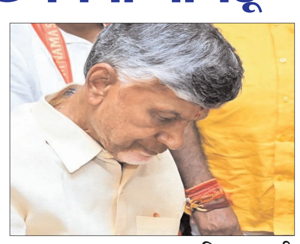

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है और भारत एक साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की स्थिति में पहुंच गया है।

भारतीय संविधान के लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ (एपीएचसीएए) के सम्मेलन में नायडू ने कहा कि 2038 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नायडू ने कहा, आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है और भारत एक साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर, 2047 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। न्यायपालिका की भूमिका के बारे में नायडू ने कहा कि यह लोकतंत्र के चार स्तंभ में से एक है और विधायिका, कार्यपालिका एवं मीडिया की तुलना में अधिक स्थिरता प्रदान करता है। उन्होंने कहा, जब भी व्यवधान उत्पन्न होता है, न्यायपालिका उसे सुधारने और लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए आगे आती है। सम्मेलन में भारत के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश धीरज सिंह ठाकुर, वरिष्ठ न्यायाधीश, कानूनी विशेषज्ञ और प्रमुख जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

ऑडिट सुधार और नवोन्मेषण का एक दूरदर्शी साधन है : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

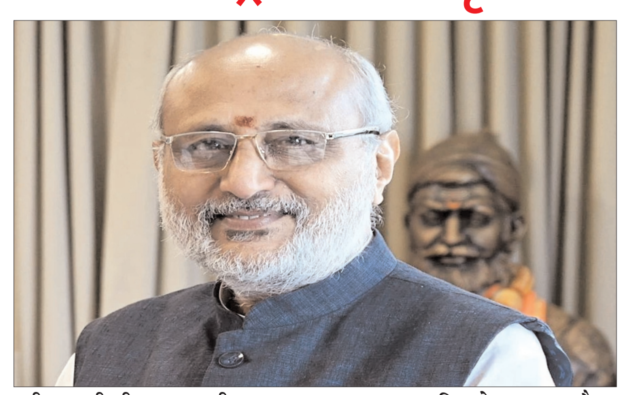

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ऑडिट (अंकेक्षण) अब केवल पूर्वव्यापी अभ्यास नहीं रह गया है, बल्कि यह सुधार, दूरदर्शिता और नवोन्मेषण का एक साधन बन गया है।

भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के ऑडिट दिवस का उद्घाटन करने के बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्थान ने लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं, जिससे सुशासन को बढ़ावा मिला है और कार्यकारी जवाबदेही मजबूत हुई है।

उन्होंने आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक और व्यावसायिक संस्थानों के साथ संस्थागत सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण में हाल की पहल के लिए भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की भी सराहना की।

राधाकृष्णन ने कहा कि आर्थिक, सामाजिक, प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय और संस्थागत क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयासों में कैग एक विश्वसनीय भागीदार की भूमिका निभा रहा है। ऑडिट दिवस कैग की स्थापना के 166वें वर्ष के प्रारंभ का प्रतीक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, कैग सार्वजनिक खजाने का रक्षक है। यह लेखांकन विवरणों में प्रस्तुत तथ्यों, आंकड़ों और प्रमाणों को सुनता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक संवैधानिक प्राधिकरण होने के नाते यह शासन, सार्वजनिक विश्वास और जवाबदेही पर आवश्यक प्रतिक्रिया प्रदान करता है।

बंगाल सरकार 15 साल पुराने बसों को लेकर मसौदा अधिसचना प्रकाशित करे : कलकत्ता उच्च न्यायालय

कोलकता, 16 नवम्बर। पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत एक मसौदा अधिसूचना में कहा है कि कोलकाता महानगर क्षेत्र में पंजीकृत 15 वर्ष से अधिक पुराने सार्वजनिक परिवहन में इस्तेमाल वाहनों को द्वि-वार्षिक फिटनेस प्रमाण पत्र के साथ चलने की अनुमति दी जाएगी।

न्यायालय ने कहा कि निजी बस मालिकों के संघ द्वारा दायर याचिका पर आगे निर्णय की कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रस्तुत मसौदा अधिसूचना में उनकी शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है।

न्यायमूर्ति राय चट्टोपाध्याय ने शुक्रवार को याचिका का निस्तारण करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत मसौदा अधिसूचना को यथाशीघ्र प्रकाशित करने की स्वतंत्रता दी।

मसौदा अधिसूचना में कहा गया, कोलकाता महानगर क्षेत्र (केएमए) में पंजीकृत सार्वजनिक परिवहन में इस्तेमाल बसों को प्रारंभिक पंजीकरण के दिन से 15 वर्ष की आयु के बाद ही चलाने की अनुमति दी जाएगी।

इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक परिवहन में इस्तेमाल बसों की वाहन फिटनेस और प्रदूषण स्तर की जांच, वाहन के प्रारंभिक पंजीकरण की तिथि से 15 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद, हर दो वर्ष में की जानी चाहिए। मसौदा अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि फिटनेस प्रमाणपत्र तभी दिया जाएगा जब उत्सर्जन स्तर अधिकतम स्वीकार्य स्तर से नीचे रहेगा।

गैर-भाजपा दल मुसलमानों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं : बंडी संजय कुमार

नई दिल्ली। भाजपा नेता ने कहा कि वह मुसलमानों, ईसाइयों या अन्य धर्मों के अनुयायियों का अपमान नहीं कर रहे, बल्कि वह हिंदू धर्म का मान और बढ़े। अपने खिलाफ पूर्व में दर्ज पुलिस मामलों का हवाला देते हुए, संजय कुमार ने कहा कि वह हिंदू धर्म के लिए काम करने से पीछे नहीं हटेंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को आरोप लगाया कि गैर-भाजपा दल मुसलमानों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने तेलंगाना में हिंदुओं को एक प्रमुख राजनीतिक वोट बैंक बनाने का संकल्प लिया। कापू समुदाय द्वारा आयोजित कार्तिका वन भोजनालु (सामुदायिक भोजन) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, संजय कुमार ने दावा किया कि गैर-भाजपा दल राज्य की 12 प्रतिशत मुस्लिम आबादी को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा उद्देश्य तेलंगाना के 80 प्रतिशत हिंदुओं को वोट बैंक बनाना है। मैं ऐसा माहौल बनाऊंगा जहां हर राजनीतिक दल हिंदुओं के बारे में सोचे। भाजपा नेता ने कहा कि वह मुसलमानों, ईसाइयों या अन्य धर्मों के अनुयायियों का अपमान नहीं कर रहे, बल्कि वह हिंदू धर्म का मान और बढ़े। अपने खिलाफ पूर्व में दर्ज पुलिस मामलों का हवाला देते हुए, संजय कुमार ने कहा कि वह हिंदू धर्म के लिए काम करने से पीछे नहीं हटेंगे।

अमरीका और चीन के रिश्तों को बदल रही है फेंटानिल

सिंथेटिक ओपिओइड फेंटानिल के खिलाफ लड़ाई जो अमरीका में ड्रग ओवरडोज संकट के केंद्र में है, अमरीका और चीन के रिश्तों को बदल रही है। 2020 से अब तक फेंटानिल और इससे संबंधित ओवरडोज से 3,00,000 से अधिक (18 से 44 वर्ष के बीच की आयु) अमरीकियों की मौत हो चुकी है। नवंबर 2018 में, अपने कार्यालय के लिए चुनाव लड़ रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर आरोप लगाना शुरू किया कि वह अमरीका को यह ड्रग भेज रहा है। उनके विरोधी भी सहमत थे। 31 अक्तूबर को, दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान एक द्विपक्षीय बैठक के बाद ट्रम्प ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर व्हाइट हाऊस में फेंटानिल ले जाने का आरोप लगाया। दोनों पक्षों के बीच इस पर लंबे समय से मतभेद रहे हैं कि चीन कितनी कठोर कार्रवाई कर रहा है। बीजिंग ने जुलाई में एरी बैरेल से संबंधित प्रतिबंध को हटा दिया जो फेंटानिल के घटक रसायनों की एक अवैध अमरीका-आधारित आपूर्ति शृंखला के प्रमुख हैं। नवंबर की शुरूआत अमरीका ने इस पर आक्रोश व्यक्त किया। अभी तक चीन ने सार्वजनिक रूप से इस फैसले की व्याख्या नहीं की है। हालांकि, नए प्रतिबंध से चीन के शक्तिशाली सार्वजनिक-सुरक्षा मंत्रालय को अमरीका के साथ मिलकर फेंटानिल के अवैध निमार्ताओं का पता लगाने के लिए लिखा गया है, जिसके लिए अधिक अनुमोदन की आवश्यकता है। अमरीका केवल विदेशों में ऐसे अभियानों की निगरानी कर सकता है। अप्रैल में मानव स्वाधीनता आयोग ने उल्लेख किया कि चीनी अधिकारी कदम उठाने से देर कर रहे हैं जबकि ड्रग वॉर अभियान कमजोर हो रहा है। हालांकि, फेंटानिल जैसी दवाओं के प्रवाह को रोकना चीन के लिए सरकारी लचीलेपन के बावजूद भी कठिन है। सवाल यह है कि वह कितना करना चाहता है। सितंबर 2023 में बेन वेस्ट, जिनका ध्यान चीन की राजनीति तथा अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन पर है, ने नोट किया कि अमरीका पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा पूछताछ के दौरान चिंतित हो गया था। चीन ने पहले ही फेंटानिल को अवैध घोषित कर दिया है, अब उसने दावा किया कि वह नहीं चाहता कि उसे अवैध कहा जाए, भले ही उसके लिए सरकारी अनुमोदन की आवश्यकता हो। फेंटानिल ने क्रासफ ायर के माध्यम से अपना रास्ता बना लिया है। चीनी कंपनियां बड़ी मात्रा में ओपिओइड-निर्माण रसायनों को अन्य देशों में भेजती हैं, खासतौर पर मैक्सिको, जहां कार्टेल उनका उपयोग अंतिम ड्रग बनाने और उसे अमरीका में तस्करी करने के लिए करते हैं। समय-समय पर, कनाडा और मैक्सिको सीमा पुलिस ने अमरीकी एजैंसियों की आवश्यकताओं के अनुसार शिपमेंट को रोका है। लेकिन अमरीका-चीनी तनाव ने सहयोग में रुकावट पैदा कर दी है। चीन में प्रतिबंध बढ़ने के बाद, एजैंसियों ने प्रारंभिक रसायन विदेशों में भेजना शुरू किया। उदाहरण के लिए, 2021 में भारत की राज्य पुलिस ने एक हत्या की जांच के दौरान 4 टन कानूनी ड्रग-निर्माण रसायनों की खोज की, जो किसी भी विशाल देशों के लिए कई दर्जन मैन्युफैक्चरिंग लैब्स को पूरा कर सकते हैं। पूर्वी राज्य ओडिशा में रसायनों को एक बड़ी आपराधिक प्रयोगशाला में ले जाया जा रहा था, जिसने अमरीका में सप्लाई चेन का विस्तारित हिस्सा बनने की कोशिश की है। 2022 में, चीनी और कोलंबियाई अधिकारियों ने मिलकर पेरू, पनामा और ताइवान में इसी तरह के कई ऑप्रेशन पकड़े। बीते वर्ष नवंबर में बाइडेन और शी जिनपिंग ने सैन फ्रांसिस्को में मुलाकात की और फेंटानिल पर सहयोग फिर से शुरू किया। अप्रैल तक यह सहयोग फिर से बाधित हो गया। अब चीन के पास अमरीका पर दबाव डालने के नए तरीके हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि अमरीका को ह्यगैर-उचित प्रतिबंधह्न हटाने चाहिए। चीन जानता है कि इसकी ड्रग प्रीकर्सर बनाने वाली कंपनियां आर्थिक तनाव में हैं और अगर अमरीका वाकई मदद चाहता है तो उसे चीनी कंपनी मालिकों के खिलाफ मामलों को बंद करने पर विचार करना चाहिए। अमरीकी अधिकारी कुछ समय से यह संदेह कर रहे हैं कि चीन सरकार फेंटानिल और इसके प्रीकर्सर का उपयोग दबाव बनाने के लिए कर रही है। कुछ संकेत हैं कि ट्रम्प प्रशासन के दौरान संबंध सुधारने के लिए चीन ने फेंटानिल प्रीकर्सर के व्यापार पर नियंत्रण कड़ा किया। इसका उद्देश्य सदभावना दिखाना था। इसके विपरीत, बाइडेन प्रशासन के आने के बाद से उत्पादन और निर्यात फिर बढ़ा है।अमरीकी आंकड़ों के अनुसार, फेंटानिल और उसके सस्ते विकल्पों से मौतों की संख्या 2023 के 12 महीनों में 82,000 तक पहुंच गई। वर्तमान में यह सुनिश्चित नहीं है कि चीन फिर से सहयोग करेगा या नहीं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन सीमा पार होने वाले ड्रग-उत्पाद को रोक सकता है यदि वह चाहे लेकिन वह इसे हथियार की तरह उपयोग करता है।

हिंदुत्व का जागृत प्रभुत्व

-विक्रम दयाल

हिंदू समाज को अब जागृत होना ही पड़ेगा। अपने सारे भेद और स्वार्थ भूलकर हिंदुत्व को शाश्वत धर्म मूल्यों के आधार पर अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और आजीविका के जीवन को आकार देकर एक सामर्थ्य संपन्न तथा सब प्रकार से वैभव संपन्न भारत खड़ा करना पड़ेगा क्योंकि विश्व को इसी राह की प्रतीक्षा है, और सबको देना यह भारत का यानी हिंदू समाज का ईश्वर प्रदत्त कर्तव्य है। हिंदुत्व का जागृत प्रभुत्व एक राजनीतिक विचारधारा को संदर्भित करता है जो भारत में हिंदू राष्ट्रवाद को मजबूत करने और हिंदू वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास करती है। यह एक राजनीतिक विचारधारा है जिसे विनायक दामोदर सावरकर ने लोकप्रिय बनाया था। यह विचारधारा भारत को हिंदूराष्ट्र के रूप में परिभाषित करती है और इसे संघ परिवार के विभिन्न संगठनों जैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगे बढ़ाया जाता है। हिंदुत्व:- दक्षिणपंथी जातीय-राष्ट्रवादी राजनीतिक विचारधारा है जो भारत की सांस्कृतिक पहचान को हिंदू धर्म के संदर्भ में परिभाषित करती है और भारत को एक स्पष्ट रूप से हिंदू राष्ट्र-राज्य बनाना चाहती है। हिंदुत्व शब्द कि पहली परिभाषा 1920 के दशक के आरंभ में भारतीय राष्ट्रवादी कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ द्वारा दी गई थी। विनायक दामोदर सावरकर आज यह सबसे अधिक निकटता से भारतीय जनता पार्टी, इंडियन पीपुल्स पार्टी, बीजेपी, भारत के प्रमुख राजनीतिक दलों मे से एक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन, आरएसएस एक गैर राजनीतिक हिंदू राष्ट्रवादी अर्धसैनिक संगठन के साथ जुड़ा हुआ है। हिंदुत्व समर्थक , या हिंदुत्व वादी, भारत की महत्वपूर्ण हिंदू-बहुल आबादी की वकालत करने का दावा करते हैं। 2011 तक भारत में 79.8 प्रतिशत हिंदू, 14.2 प्रतिशत मुस्लिम और बाकी ईसाई, सिख और का मिश्रण था, और हिंदू अधिकारों के संदर्भ में भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता के विचार को फिर से परिभाषित करना चाहते हैं। एक विचारधारा के रूप में हिंदुत्व को एक धर्म के रूप में हिंदू धर्म से अलग समझा जाना चाहिए। हिंदू धर्म के सभी अनुयायी हिंदुत्व को नही मानते–और सावरकर की मूल परिभाषा हिंदुत्व को एक जातीय श्रेणी के रूप मे स्थापित करती है और किसी विशिष्ट धार्मिक अर्थ को त्याग देती है। वर्तमान व्यवहार में यह विचारधारा प्रबल रूप से हिंदू समर्थक. और कट्टर मुस्लिम विरोधी है। हालांकि, समर्थक अक्सर हिंदुत्व को विशुद्ध रुप से सांस्कृतिक संदर्भ में जीवनशैली के रुप में परिभाषित करते हैं। हिंदुत्व एक विचार है जो कि हर प्रकार के विश्वासों पर विश्वास करता है तथा धर्म, कर्म, अहिंसा, संस्कार व मोक्ष को मानता है और उनका पालन करता है। यह ज्ञान का रास्ता है, स्नेह का रास्ता है। जो पुनर्जन्म पर विश्वास करता है। यह एक जीवन पद्धति है, जो हिंदू की विचारधारा है। हिंदू धर्म का जन्म वेदवाद नामक एक प्राचीन धार्मिक परंपरा में निहित है, जिसका सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद है। जिसकी रचना लगभग 1500-1000 ईसा पूर्व हुई थी। यहूदी धर्म सबसे पुराना एकेश्वरवादी धर्म। ऐसा माना जाता है कि इसका इतिहास 690 ईसा पूर्व से भी बहुत पहले शुरू होता है, जब इसकी अधिकारिक स्थापना हुई थी। यहूदी धर्म के अनुयायी एक ही ईश्वर में विश्वास करते हैं। हिंदू धर्म का जन्मस्थान सिंधु नदी कि घाटी है जो उत्तर-पश्चिम भारत से होकर पाकिस्तान तक जाती है। सिंधुघाटी की सभ्यता, या हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति लगभग 4500-5000 ईसा पूर्व के आसपास हुई थी और यह 2300 से 2000 ईसा पूर्व के बीच अपने चरम पर पहुँच गई थी। हिंदू धर्म को अपने धार्मिक विचारों और प्रयासों से व्यापक दायरे के कारण एक जीवन-पद्धति भी कहा जाता है। हिंदू एक नैतिक संहिता के अनुसार जीवन जीते हैं। इस संहिता के अनुसार जीवन जीने को धर्म कहा जाता है, जिसे सनातन धर्म (शाश्वत प्राकृतिक नियम) भी कहा जाता है, और सभी हिंदू इसका पालन करते हैं।

सबसे 'तेज' बनने के चक्कर में 'श्रद्धांजलि ' का पात्र बना 'गोदी मीडिया'

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फिल्म जगत में 'ही मैन' के नाम से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूँ। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय खान, दारा सिंह, रणजीत, देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। परन्तु इत्तेफाक से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिये न मिल सका क्योंकि वह मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते। बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफाक से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्यवाही देखने के लिये दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नजर इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुये सांसद थे। मैं उन्हें देखकर जोर से बोल पड़ा --अरे ...बीरु .. और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ दोनों हाथ बढ़ाते हुये जोर से कहा --आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ तेजी से बढ़ा ,उन्होंने भी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुये इतनी जोर से उठाया की मेरे दोनों पैर जमीन से ऊपर उठ गये। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूँ।

बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम जमाना 'गोदी मीडिया ' ने देश के उस हरदिलअजीज अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी 'खबरों' में श्रद्धांजलि दे डाली। गौर तलब है कि सांस लेने में दिक़्क़त होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टी आर पी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य 'सबसे तेज' को साकार करने के मकसद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे खासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफवाहें तेज़ी से फैला दीं। ऐसी अफवाहबाजी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी,अभिनेत्री भाग्यश्री, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख़्तर यहाँ कि खुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी खबर पर विश्वास करते हुये धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले। बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने इसे ट्वीट डिलीट भी किये ? यहाँ तक कि कई बड़े अख़बारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी खबर पर विश्वास हुये मुख्य पृष्ठ पर खबरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वही धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किये अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हँसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुये अपने घर जाते नजर आये।

परन्तु पहले भी इस तरह की अफवाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज्यादा ही मुँह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मीडिया हद से ज्यादा सक्रिय है और झूठी खबरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया। उसके फौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने (ट्विटर) पर गुस्से में लिखा कि जो हो रहा है वो अक्षम्य है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है? ये बेहद असम्मानजनक और गैर - जिम्मेदाराना है। परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें।₹ बाद में अभिनेता पुत्र सनी देओल की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि ₹मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्जर्वेशन में हैं। वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफवाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें।

इस अफवाहबाज गोदी मीडिया को सबसे अधिक जलालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही गैर जिम्मेदार और झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी राजिनीकांत कभी शाहरुख खान तो कभी फरीदा जलाल कभी लता मंगेशकर,राजेश खन्ना,कॅटरीना कैफ व आयुष्मान खुराना जैसे कई कलाकारों को उनके जीवित रहते हुये भी 'मारने की खबरें चलाता रहा है। इस बार तो धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने व गोदी मीडिया को देश की पत्रकारिता पर कलंक समझने वाले देश के एक प्रबुद्ध वर्ग ने ऐसी पत्रकारिता ऐसे ऐंकरों व ' ऐंकराओं ' की तो धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। सीधे तौर पर धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबर शोकपूर्ण भाव भंगिमा से पेश करने वाली गोदी मीडिया की उस बदनाम 'ऐंकरा' के चित्र पर ही माला डालकर उसी को श्रद्धांजलि अर्पित कर डाली। लाखों लोगों द्वारा ऐसी गैर जिम्मेदाराना पत्रकारिता की घोर भर्तस्ना की गयी। कई मशहूर यू ट्यूबर पत्रकारों ने धर्मेंद्र की बीमारी के संबंध में तो नहीं परन्तु अफवाहबाज मीडिया द्वारा फैलाई गयी धर्मेंद्र संबंधी अफवाह को लेकर विशेष कार्यक्रम जरूर बनाये और गैर जिम्मेदार गोदी मीडिया की जम कर धुलाई की।

आश्चर्य है कि पिछले दस वर्षों से घोर अपमान झेल रहा यह पक्षपाती,समाज में दुर्भावना फैलाने वाला,लोगों को झूठी खबरों से गुमराह करने वाला,सरकारी विज्ञापनों व पैसों की लालच में अपना जमीर बेचने वाला तथा अपनी इन्हीं गैर जिम्मेदाराना हरकतों से देश व पत्रकारिता को कलंकित करने वाला अनियंत्रित 'गोदी मीडिया ' अभी भी झूठी,बेबुनियाद,उकसाऊ व अफवाहपूर्ण खबरों को प्रसारित करने से बाज नहीं आ रहा। यही वजह है कि धर्मेंद्र के सम्बन्ध में विश्वसनीय नहीं बल्कि 'सबसे तेज' चैनल बनने के चक्कर में मीडिया स्वयं 'श्रद्धांजलि ' का पात्र बन बैठा।

बिहार में बीजेपी का उभार, जातीय राजनीति से आगे हिन्दुत्व का वोट बैंक तैयार

-संजय सक्सेना

बिहार की राजनीति लंबे समय से सामाजिक समीकरणों, जातीय पहचान और नेतृत्व के करिश्मे पर आधारित रही है। इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नंबर वन पार्टी बनना सिर्फ सीटों की संख्या का मामला नहीं, बल्कि यह उस गहरे राजनीतिक बदलाव का संकेत है जो पिछले एक दशक में धीरे-धीरे आकार ले चुका है। भाजपा अब सिर्फ सहयोगी दल के सहारे चलने वाली पार्टी नहीं रही, बल्कि उसने अपनी वैचारिक जड़ें, संगठनात्मक शक्ति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के प्रभाव से बिहार की राजनीति के केंद्र में जगह बना ली है। बीजेपी का नंबर वन पार्टी बनना इस बात की भी घोषणा है कि बिहार की पारंपरिक राजनीति, जो कभी जातीय समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती थी, अब धीरे-धीरे विकास, नेतृत्व और हिंदुत्व के विमर्श के तहत पुनर्गठित हो रही है। मोदी की अगुवाई में पार्टी ने जिस तरह से राष्ट्रीयता, विकास और हिंदू एकता का एजेंडा स्थापित किया, उसने बिहार के मतदाताओं के मनोविज्ञान में गहरी पैठ बना ली है। खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच बीजेपी को विकास की प्रतीक पार्टी के रूप में देखा जाने लगा है।

इस बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री मोदी की छवि सबसे बड़ा कारक है। बिहार जैसे राज्य, जहां नौकरी, गरीबी और पलायन लंबे समय से चुनावी मुद्दे रहे हैं, वहां मोदी का सबका साथ, सबका विकास का नारा लोगों को आकर्षित करता है। यह नारा जातीय दायरों से परे जाकर एक नई राजनीतिक सोच को जन्म देता है जहां नेता की पहचान उसके काम, योजनाओं और राष्ट्रवादी अपील से तय होती है। यही कारण है कि मोदी का मैजिक आज भी बिहार में उतनी ही जोर से काम कर रहा है जितना 2014 या 2019 में था।

संगठनात्मक रूप से भी बीजेपी ने राज्य में जबरदस्त पैठ बनाई है। बूथ-स्तर तक कैडर वाले ढांचे ने पार्टी को निचले स्तर पर मजबूत किया। आरएसएस और उसके सहयोगी संगठनों की सक्रियता ने गांव-गांव तक वैचारिक अभियान चलाया। इसके साथ ही बीजेपी ने अपने पारंपरिक वोट बैंक ऊंची जातियों और शहरी वर्गों के अलावा ओबीसी और महासमुदाय के मतदाताओं में भी भरोसा बनाने की कोशिश की। इससे पार्टी का सामाजिक आधार अब पहले से कहीं ज्यादा व्यापक हो गया है। 2020 के विधानसभा चुनाव में हालांकि एनडीए को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, लेकिन तब भी बीजेपी जेडीयू से आगे निकल गई थी। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस प्रवृत्ति को और भी पुख्ता किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने बिहार के अधिकांश हिस्सों में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। इसका बड़ा कारण विपक्ष का बिखराव और विपक्षी गठबंधन में अंदरूनी मतभेद भी रहा। आरजेडी जैसी पार्टी, जो कभी मुस्लिम-यादव (ट) समीकरण पर भरोसा करती थी, अब उस वर्ग में भी अपनी पकड़ कमजोर होते देख रही है। बीजेपी की रणनीति स्पष्ट है जातीय समीकरणों को नकारे बिना, लेकिन उससे ऊपर उठकर हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की नई पहचान को स्थायी बनाना। स्थानीय नेतृत्व के रूप में पार्टी ने कई पिछड़े और दलित चेहरों को आगे लाकर यह संदेश दिया कि वह सबको साथ लेने के अपने सिद्धांत पर टिके रहना चाहती है। यही प्रयोग भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से देखें तो बिहार में बीजेपी की मौजूदा स्थिति उसके लिए मजबूत जमीन तैयार कर चुकी है। राज्य की 40 लोकसभा सीटों में यदि पार्टी अकेले सबसे बड़ी ताकत बनी रहती है, तो यह न केवल बिहार बल्कि पूरे पूर्वी भारत में भाजपा के लिए निर्णायक प्रभाव डाल सकती है। भाजपा अब बिहार को राजनीतिक रूप से सहयोगी राज्य नहीं बल्कि मुख्य फ्रंटलाइन के रूप में देख रही है। मोदी की लोकप्रियता और संगठन की एकजुटता के साथ, बिहार में पार्टी का प्रदर्शन 2029 में और बेहतर होने की संभावना है।

इसके अलावा, केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे पीएम आवास योजना, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, और मुफ्त राशन वितरण योजनाओं का प्रभाव उन ग्रामीण वोटरों पर पड़ा है जो पहले विपक्ष के प्रति झुकाव रखते थे। यह वर्ग अब बीजेपी को सुविधा देने वाली सरकार के रूप में देखने लगा है। ऐसे वोटरों का झुकाव पार्टी को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाता है, क्योंकि ये वही घर-घर के मतदाता हैं जो स्थानीय चुनावों में भी वातावरण बनाते हैं।

मोदी के मैजिक की सफलता का एक और पहलू है उनकी संवाद क्षमता। चाहे मन की बात के माध्यम से संवाद हो या सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रयास, मोदी ने अपने संदेश को इतना गहराई से फैलाया है कि ग्रामीण मतदाता भी खुद को सीधे प्रधानमंत्री से जुड़ा महसूस करता है। इस मनोवैज्ञानिक जुड़ाव ने भाजपा के लिए बिहार जैसे राज्य में लोकप्रियता का स्थायी आधार तैयार कर दिया है।

कुल मिलाकर, बिहार में बीजेपी का नंबर वन पार्टी बनना सिर्फ एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं बल्कि एक वैचारिक पुनर्संरचना का प्रतीक है। यह दिखाता है कि पार्टी ने अपनी जमीनी ताकत और नेतृत्व की छवि, दोनों को एक साथ मजबूत किया है। अगर विपक्ष आने वाले वर्षों में कोई ठोस वैकल्पिक नैरेटिव नहीं गढ़ सका, तो 2029 का लोकसभा चुनाव बीजेपी के लिए बिहार में अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन वाला चुनाव साबित हो सकता है। मोदी का करिश्मा, संगठन की गहराई और केंद्र सरकार की योजनाओं की पहुंच ये तीनों मिलकर बीजेपी को आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति का स्थायी केंद्र बना रहे हैं।

लोकतंत्र की रीढ़ या बाजार का शोर, प्रेस की स्वतंत्रता की परीक्षा

- डॉ. सत्यवान सौरभ

राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस (16 नवंबर)

भारत हर साल 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाता है–एक ऐसा दिन जो हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की मजबूती का असली आधार सत्ता नहीं, सत्य की निर्भय अभिव्यक्ति है। यह दिन केवल पत्रकारों का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के विवेक का पर्व है। क्योंकि लोकतंत्र तभी जीवित रहता है जब उसके नागरिकों को सच्चाई तक पहुँचने का अधिकार मिले और उसके पत्रकारों को सत्य कहने का साहस।

प्रेस की स्वतंत्रता दरअसल शब्दों की नहीं, विचारों की स्वतंत्रता है। यह केवल घटनाओं को रिपोर्ट करने का दायित्व नहीं, बल्कि उन सच्चाइयों को उजागर करने का संकल्प है जिन्हें सत्ता, व्यवस्था या समाज अक्सर छिपा देना चाहता है। पत्रकारिता की यही निडरता लोकतंत्र को जीवंत रखती है–क्योंकि सत्ता को नियंत्रित करने का सबसे मजबूत माध्यम न बंदूक है, न कानून, बल्कि कलम की नैतिकता है।

1975 के आपातकाल के दौरान जब सेंसरशिप ने प्रेस का गला घोंट दिया था, तब भारतीय लोकतंत्र ने अपनी सबसे कड़ी परीक्षा दी। कई अखबारों ने डरकर खाली कॉलम छापे, कई पत्रकारों ने जेलें देखीं, और कुछ आवाजें हमेशा के लिए खामोश हो गईं। यही कारण है कि यह दिवस उन संघर्षों का स्मरण भी है, जिन्होंने साबित किया कि प्रेस की स्वतंत्रता कोई कृपा नहीं–यह लोकतंत्र का जन्मसिद्ध अधिकार है।

आज डिजिटल युग ने पत्रकारिता को नई गति दी है, पर उसी के साथ अभूतपूर्व चुनौतियाँ भी पैदा की हैं। खबरों की यात्रा अखबारों से मोबाइल स्क्रीन तक आ गई है। परंतु हर तेज समाचार विश्वसनीय हो, यह जरूरी नहीं। एल्गोरिद्म तय करते हैं कि जनता क्या देखेगी, और व्यूज यह तय करते हैं कि क्या खबर कहलाएगा। यही वह बिंदु है जहाँ पत्रकारिता और मनोरंजन की रेखाएँ धुंधली पड़ गई हैं।

ऐसे समय में प्रेस की ज़िम्मेदारी और भी बढ़ जाती है–क्योंकि जब सूचना का प्रवाह अनियंत्रित हो, तब सत्य की स्पष्टता ही एकमात्र मार्गदर्शक बनी रह जाती है।

पत्रकारिता का मूल यह नहीं है कि कौन सबसे पहले खबर दिखाता है; बल्कि यह है कि कौन सबसे पहले साहसपूर्वक सत्य दिखाता है। भारत के असंख्य पत्रकार आज भी गाँवों की कच्ची पगडंडियों से लेकर महानगरों की चकाचौंध तक, अपराध, भ्रष्टाचार, असमानता और अन्याय को उजागर करने में लगे हैं। वे अक्सर बिना सुरक्षा, बिना संसाधन और बिना संस्थागत संरक्षण के काम करते हैं। सच कहें तो पत्रकारिता आज भी एक पेशा नहीं–एक जोखिमभरा संघर्ष है।

प्रेस की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि वह सामाजिक उत्तरदायित्व से मुक्त है। फेक न्यूज, आधाझ्रसच और सनसनीखेज रिपोर्टिंग ने समाज में भ्रम फैलाया है। इसलिए पत्रकारिता की नैतिकता उसके अस्तित्व की पहली शर्त है। एक स्वतंत्र प्रेस तभी सम्मान पाती है जब वह निष्पक्ष, तथ्याधारित और जनहित में काम करे। सत्य को तोड़नेझ्रमरोड़ने की स्वतंत्रता, स्वतंत्रता नहीं, अराजकता है।

सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारिता को सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन्फ्लुएंसर और पत्रकार के बीच की दूरी कम होती जा रही है। जहाँ पत्रकार सत्य का पीछा करता है, वहीं इन्फ्लुएंसर ट्रेंड का। पत्रकार का लक्ष्य तथ्य होता है, इन्फ्लुएंसर का लक्ष्य व्यूज। दुखद यह है कि कई बार जनता भी सरल मनोरंजन को कठिन सत्य पर प्राथमिकता देने लगी है।

यदि समाज सच सुनने की इच्छा खो देगा, तो पत्रकारिता की स्वतंत्रता भी धीरे-धीरे महत्वहीन हो जाएगी। स्वतंत्र प्रेस केवल पत्रकारों की लड़ाई नहीं–यह नागरिकों का अधिकार है। नागरिक जितने जागरूक होंगे, प्रेस उतना ही निर्भीक होगा। अगर जनता आलोचनात्मक सोच खो देगी, तो प्रेस केवल बाजार और सत्ता का उपकरण बनकर रह जाएगी। इसलिए लोकतंत्र का स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि नागरिक अपने समाचार स्रोतों से क्या अपेक्षा रखते हैं–सच? या मनोरंजन?

यह चुनाव आने वाले समय में पत्रकारिता की दिशा तय करेगा। आज भारत का मीडिया अनेक दबावों के बीच काम करता है–राजनीतिक, आर्थिक, कॉर्पोरेट और सामाजिक। कई बार सच्चाई कहने का परिणाम नौकरी जाना, मुकदमों में फँसना या जान जोखिम में डालना होता है। इसके बावजूद सैकड़ों पत्रकार आज भी निडर होकर लिखते हैं, बोलते हैं और मैदान में उतरते हैं। उनका साहस हमें यह याद दिलाता है कि प्रेस की स्वतंत्रता कागज पर नहीं, जमीनी संघर्षों से जीवित रहती है। राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस का उद्देश्य केवल इतिहास को याद करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को यह चेतावनी देना भी है कि प्रेस कमजोर हुआ तो लोकतंत्र भी कमजोर हो जाएगा। जब सवाल पूछना अपराध बन जाए और चुप्पी सुरक्षा का साधन, तब लोकतंत्र का हृदय मंथर होने लगता है। इसीलिए पत्रकारिता को पुनः उस मूल स्थान पर लौटना होगा जहाँ सच्चाई सर्वोच्च हो–न मालिक से डर, न बाजार से, न व्यवस्था से। समाज के लेखकों, कवियों, शिक्षकों और विद्वानों पर भी यह जवाबदेही है कि वे पत्रकारिता की इस गिरावट और दबाव को समझें। एक राष्ट्र केवल विज्ञान, उद्योग या सेना से महान नहीं बनता; वह महान तब बनता है जब उसमें विचार, संवाद और सत्य की संस्कृति जीवित हो।

और यह संस्कृति प्रेस के बिना संभव नहीं है। अंततः यह समझना आवश्यक है कि प्रेस की स्वतंत्रता सिर्फ एक संवैधानिक प्रावधान नहीं–यह राष्ट्र की नैतिक आत्मा है। जहाँ प्रेस डरकर लिखे, वहाँ समाज कभी स्वतंत्र नहीं हो सकता। और जहाँ पत्रकारिता सवाल पूछने से हिचक जाए, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे रस्म में बदल जाता है।

लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

-प्रियंका सौरभ

भारत में चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सबसे जीवंत उत्सव है। मतदान जनता को अपनी आवाज सुनाने और नीतिगत दिशा तय करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान प्रशासन निष्पक्षता, सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ करता है–मतदान केंद्रों की तैयारी से लेकर जागरूकता अभियानों तक। चुनाव आयोग द्वारा की गई व्यवस्थाएँ नागरिकों के भरोसे को मजबूत करती हैं। वोट देना केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी है, जो राष्ट्र के भविष्य को दिशा देती है।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है–क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया–स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं–मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना, या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं, और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं–वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है, तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार–मताधिकार–से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं, और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों–जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल–का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है, लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना। अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं–पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

पालघर में उत्साहपूर्वक मनाया गया जिलास्तरीय जनजाति गौरव दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारत सरकार द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को घोषित जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर पालघर में जिलास्तरीय कार्यक्रम बड़े ही उत्साह व सांस्कृतिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। पिछले तीन महीनों से राज्यभर में आदिवासी विकास विभाग द्वारा विविध सांस्कृतिक, गुणदर्शन स्पधाएँ तथा समाजाभिमुख उपक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका प्रभाव इस कार्यक्रम में भी देखने को मिला।

यह कार्यक्रम जिलाधिकारी डॉ. इंदू रानी जाखड़, प्रकल्प अधिकारी जव्हार डॉ. अपूर्वा बासुर तथा प्रकल्प अधिकारी डहाणू विशाल खत्री के मार्गदर्शन में एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प जव्हार एवं डहाणू द्वारा संयुक्त रूप से जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आश्रमशाला कुंर्झे (ता. विक्रमगढ़) के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर क्रांतिकारकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं छात्रा प्रणाली टोकरे द्वारा रानी दुर्गावती पर आधारित प्रस्तुत किया गया प्रभावी पोवाड़ा सभी उपस्थितों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना। इस दौरान गुजरात से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऑनलाइन संदेश सभागृह में सीधा प्रसारित किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में सहायक प्रकल्प अधिकारी दीपक टिके, बंसीलाल पाटील, नियोजन अधिकारी सतीश रास्ते, कार्यालयीन अधीक्षक योगेश खंदारे, विठ्ठलजी कुरवाड़े, संशोधन अधिकारी जगदीश पाटील, निरीक्षक श्याम चिंचमलातपुरे सहित गृहपाल, मुख्याध्यापक, शिक्षक व अन्य मान्यवर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रस्ताविक भाषण बंसीलाल पाटील ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सहायक प्रकल्प अधिकारी दीपक टिके द्वारा व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी कार्यालय तथा दोनों प्रकल्प कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से इस ऐतिहासिक व गौरवशाली आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केविनकेयर के प्रमुख हेयर कलर ब्रांड इंडिका ने अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई। भारत में किफायती सुंदरता को नया आयाम देने के लिए, इंडिका ईजी , देश का नंबर 1 शैम्पू हेयर कलर ब्रांड, ने दो नए शेड्स - नेचुरल ब्राउन और बरगंडी, मात्र 10 में लॉन्च किए हैं। इस लॉन्च के साथ, केविनकेयर उपभोक्ताओं को इनोवेटिव पर्सनल केयर समाधान प्रदान करने की अपनी परंपरा को जारी रखता है। नए 10 सैशेज के साथ, इंडिका ईजी सिर्फ 10 मिनट में सैलून-क्वालिटी हेयर कलर उपलब्ध कराता है, जो आज की तेज-तर्रार जीवनशैली के लिए उपयुक्त है।

इस अवसर पर श्री रजत नंदा, बिजनेस हेड पर्सनल केयर, केविनकेयर ने कहाः केविनकेयर में, हमने हमेशा सुंदरता को सभी के लिए सुलभ बनाने में विश्वास किया है। हमारे नए 10 इंडिका ईजी शेड्स का लॉन्च इसी दृष्टिकोण का हिस्सा है, जो उपभोक्ताओं को आसानी से समृद्ध और लंबे समय तक चलने वाला कलर अनुभव प्रदान करता है। इंडिका वर्षों से इस श्रेणी का अग्रणी ब्रांड है, और हम सर्वोत्तम मूल्य और गुणवत्ता के साथ इस स्थिति को मजबूत करना जारी रख रहे हैं। प्रारंभ में मुंबई, नागपुर, नासिक और पुणे सहित महाराष्ट्र के प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्ध, नए 10 सैशेज का उद्देश्य विशेष रूप से छोटे शहरों में पहली बार हेयर कलर उपयोग करने वाले लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचना है। नए शेड्स उपभोक्ताओं को आत्मविश्वास के साथ अपनी शैली व्यक्त करने का अवसर देते हैं, यह साबित करते हुए कि खूबसूरत बालों के लिए प्रीमियम कीमत जरूरी नहीं है।

इंद्रिया, आदित्य बिरला ज्वेलरी ने अंधेरी में चौथे स्टोर के शुभारंभ के साथ मुंबई में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया

मुंबई। इंद्रिया, आदित्य बिरला ज्वेलरी ने मुंबई के प्रमुख उपनगरीय क्षेत्र, अंधेरी में अपना चौथा स्टोर लॉन्च किया। अंधेरी तो आधुनिक मुंबई की जान है, जिसे मुंबई की क्रिएटिविटी और कॉस्मोपॉलिटन अंदाज के केंद्र के रूप में जाना जाता है। इसी वजह से, ये इलाका इंद्रिया की सदाबहार कारीगरी और नए जमाने के शानदार डिजाइनों के मेल के लिए सबसे उपयुक्त है।

अंधेरी वेस्ट के ओशिवारा में स्थित इस स्टोर के हर कोने को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है, ताकि ग्राहकों को सुकून के साथ खरीदारी का अनुभव मिल सके। यह स्टोर शानदार कारीगरी और आज के जमाने के डिजाइन की बेहतरीन जुगलबंदी है, जहाँ खास तौर पर बनाए गए कारीगरी रूम से लेकर बेहद खूबसूरती से तैयार किए गए 28,000 से ज्यादा डिजाइनों की विशाल प्रदर्शनी मौजूद है। इस लॉन्च के साथ, इंद्रिया अपने ग्राहकों को बारीकी से तैयार किए गए डिजाइनों और दिल की गहराई में बसी सच्ची सुंदरता की पेशकश करता है। इस लॉन्च के साथ, देश भर में इंद्रिया के स्टोर्स की संख्या 38 हो गई है। ब्रांड का नेटवर्क लगातार बढ़ रहा है, जिसमें दिल्ली में छह स्टोर्स; मुंबई और हैदराबाद में चार-चार स्टोर्स; पुणे में तीन स्टोर्स; अहमदाबाद, जयपुर, पटना और बेंगलुरु में दो-दो स्टोर्स; और इंदौर, जोधपुर, सूरत, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, गया, जम्मू, छत्रपति संभाजीनगर तथा चंडीगढ़ जैसे प्रमुख शहरों में एक-एक स्टोर शामिल हैं। इस विस्तार से जाहिर है कि, इंद्रिया अव्वल दर्जे की कारीगरी और सदाबहार गहनों को देश भर में ग्राहकों के लिए सुलभ बनाने के इरादे पर अटल है। श्री दिलीप गौर, आदित्य बिरला ग्रुप के बिजनेस डायरेक्टर, ने कहा, इंद्रिया ने मुंबई को बेहद महत्वपूर्ण बाजार के तौर पर हमेशा अहमियत दी है, और हमें अंधेरी जैसे ज़िंदादिल इलाके में अपने चौथे स्टोर का शुभारंभ करते हुए बेहद खुशी हो रही है। मुंबई शहर को आज के जमाने की शानो-शौकत की मिसाल माना जाता है, और ये शहर हमें ऐसे गहने तैयार करने के लिए प्रेरित करता है, जिसमें कला और स्थानीय कारीगरी के साथ आधुनिकता का संगम हो।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मीरा भायंदर में पुरानी इमारतों का निःशुल्क डीम कन्वेयन्स

मंत्री प्रताप सरनाईक की ऐतिहासिक घोषणा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के नागरिकों को वर्षों से परेशान कर रहे पुनर्विकास, 79-ए प्रक्रिया, डीसी रूपांतरण, 7/12 निकासी, सोसायटी पंजीकरण और दस्तावेजों की जटिलताओं से आखिरकार राहत मिलेगी। इस शिविर की पहल पर महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री, धाराशिव जिले के पालक मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक द्वारा आयोजित एक भव्य मार्गदर्शन एवं जनसंवाद शिविर में शहरवासियों के लिए एक क्रांतिकारी और अभूतपूर्व घोषणा की गई। रविवार, 16 नवंबर, 2025 को मेड़तिया नगर स्थित पद्मभूषण डॉ.अप्पासाहेब धर्माधिकारी हॉल में आयोजित इस शिविर में सैकड़ों जनप्रतिनिधि, सोसायटी सदस्य और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। अक्टूबर में आयोजित जनसंपर्क शिविर को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद यह दूसरा भव्य शिविर आयोजित किया गया। आपके दस्तावेज, शिवसेना की प्रक्रिया। अब शून्य लागत कन्वेयन्सिंग।

एजेंसी द्वारा कन्वेयन्स प्रक्रिया करवाने वाली सोसायटियां प्रति फ्लैट 6 से 7 हजार रुपये लेती हैं, जिससे पूरी सोसाइटी को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। नागरिकों पर पड़ने वाले इस भारी आर्थिक बोझ को देखते हुए, मंत्री प्रताप सरनाईक ने शहर में ग्राम पंचायत और नगर परिषद काल की सभी इमारतों के लिए डीम्ड कन्वेयन्स पूरी तरह से निःशुल्क करने की ऐतिहासिक घोषणा की। सोसाइटी का कन्वेयन्स पूरा करते समय आवश्यक दस्तावेजः निवासियों को सभी दस्तावेजों जैसे पत्र, 7/12 का अर्क, संपत्ति कार्ड, सीसी, भवन योजना, अनुबंध, आर्किटेक्ट प्रमाणपत्र, बिल्डर-डेवलपर अनुबंध की प्रति आदि की फाइल केवल जनसंपर्क कार्यालय में जमा करनी होगी। इसके बाद, प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करना शिवसेना की ज़िम्मेदारी होगी, मंत्री सरनाईक ने इस अवसर पर स्पष्ट शब्दों में कहा। इस शिविर के माध्यम से जिन सोसाइटियों का काम पूरा हुआ, मैं उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। आम लोगों को न्याय दिलाना मेरी ज़िम्मेदारी है। मीरा-भायंदर के हर नागरिक को अपनी संपत्ति का अधिकार मिलना चाहिए। संपत्ति हस्तांतरण प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं, एजेंसी के वित्तीय बोझ और प्रशासन में देरी के कारण नागरिकों को जो परेशानियां हो रही थीं, वे आज समाप्त हो गई हैं। अब, शहरवासियों को मेरी बड़ी गारंटी है कि मीरा-भायंदर में पुरानी इमारतों का डीम्ड कन्वेयंस शिवसेना के माध्यम से मुफ़्त' होगा। इस पहल के लिए, एसजीएम नामक एक कंपनी को इस कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। इससे मीरा-भायंदर शहर की हजारों सोसाइटियों के पुनर्विकास की प्रक्रिया में तेजी आई है और नागरिकों को उनके कानूनी अधिकार मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। 80% सामाजिक कार्य और 20% राजनीति के उद्देश्य से, मैं और मेरी शिवसेना पार्टी जनता के कल्याण के लिए स्थायी रूप से काम करते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने विश्वास व्यक्त किया कि मीरा-भायंदर शहर में शिवसेना द्वारा स्थापित यह सेवा शहर के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम होगी।

जन्मदिन के अवसर पर ढाई एकड़ जमीन म्हात्रे द्वारा स्कूल को दान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के चिंचपंगा गाँव के समाजसेवी और उद्योगपति जनार्दन म्हात्रे और उनके मित्र उद्योगपति एकनाथ म्हात्रे का जन्मदिन चिंचपंगा गाँव में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दोनों को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देने वालों की लंबी कतार लगी रही। जनार्दन म्हात्रे के मित्रों और दोस्तों ने उनकी खूब प्रशंसा की। वे जनकल्याण और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहे हैं। मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए माथेरन में ढाई एकड़ जमीन दान करने के लिए उनकी प्रशंसा की गई। बताया जाता है कि जनार्दन म्हात्रे केडीएमसी के पूर्व नगर सेवक से लेकर गट नेता तक रहे हैं और उनका जीवन सामाजिक गतिविधियों से भरा रहा है। म्हात्रे ने माथेरन में एक अच्छा स्कूल बनाने के लिए मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए माथेरन में लगभग ढाई एकड़ जमीन दान की।इसी तरह, जनार्दन म्हात्रे ने अपने जीवन में कई परोपकारी कार्य किए हैं। उनके मित्रों और सहकर्मियों ने उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

भारत में इस्पात डीकाबोर्नाइजेशन के प्रयासों की कुंजी है स्क्रैपः एमजंक्शन का स्टील कॉन्फ्रेंस

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इस्पात उद्योग में हरित इस्पात (ग्रीन स्टील) के उत्पादन के लिए स्क्रैप एक प्रमुख कच्चे माल के रूप में उभर रहा है – यह बात एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा आयोजित 12वें इंडियन स्टील मार्केट्स कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने कही।

इस्पात ऐसी कुछ सामग्रियों में से एक है जिसे बार-बार रीसायकल किया जा सकता है बिना इसकी गुणवत्ता या मजबूती खोए। यही इसे औद्योगिक विकास और सततता (सस्टेनेबिलिटी) झ्र दोनों का मेरुदंड बनाता है। भारत में वर्तमान में लगभग 42 मिलियन टन स्क्रैप का उपभोग किया जाता है और यह हर साल 6% से अधिक की दर से बढ़ रहा है। हर साल लगभग 9 मिलियन टन स्क्रैप का आयात भी किया जाता है, एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विनया वर्मा ने दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम थी – इंडियन स्टील वैल्यू चेन- रीसायकल. रीशेप. इनोवेट. सस्टेन जो इस्पात क्षेत्र के डीकाबोर्नाइजेशन के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप है।

सस्टेनेबिलिटी अब विकल्प नहीं, बल्कि एक रणनीति है, सेल के कार्यकारी निदेशक सैयद जावेद अहमद ने कहा। उन्होंने बताया कि कैसे सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी हरित इस्पात के विकसित होते मानकों के अनुरूप खुद को तैयार कर रही है। भारत में इस्पात की बढ़ती मांग के बीच स्क्रैप की उपलब्धता एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। आईसीआरए के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं ग्रुप हेड (कॉरपोरेट सेक्टर रेटिंग्स) गिरीशकुमार कदम ने कहा, ह्लजहां सरकारी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) इस्पात उपयोग का लगभग 60% बढ़ा रहा है, वहीं भारत की युवा और तेजी से बढ़ती आबादी भी मांग को प्रोत्साहित कर रही है। बढ़ती मांग और उत्पादन के साथ-साथ कच्चे माल की आपूर्ति चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (रॉ मटेरियल्स) संदीप कुमार ने कहा कि कोकिंग कोल का आयात लंबे समय में महंगा साबित होगा, वहीं लौह अयस्क खानों के लिए आक्रामक बोली प्रक्रिया घरेलू लागत को भी बढ़ा रही है।

ठाकरे को जोर का झटका रमेश जाधव शिंदे गुट में शामिल

केडीएमसी के पूर्व महापौर रह चुके है जाधव

कल्याण। कल्याण में शिवसेना (उद्धव) गुट के नेता और केडीएमसी के पूर्व महापौर रमेश जाधव ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना (शिंदे) में शामिल हो गए हैं। जाधव, शिवसेना (उद्धव) के कल्याण लोकसभा संपर्क प्रमुख थे। इस कदम से शिवसेना (उद्धव) गुट को बड़ा झटका लगा है । बतादे की रमेश जाधव ने अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना (शिंदे) में प्रवेश किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कल्याण लोकसभा के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे मौजूद थे। एकनाथ शिंदे ने सभी का पार्टी में स्वागत किया और उनके राजनीतिक भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने आगामी केडीएमसी चुनाव के लिए पूरी ताकत और एकजुटता से काम करने की सलाह दी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जाधव के जाने से ठाकरे शिवसेना को केडीएमसी चुनाव में बड़ा उथल-पुथल हो सकता है, जिसका लाभ शिंदे गुट को हो सकता है। इस अवसर पर शिवसेना उप जिलाप्रमुख मल्लेश शेट्टी, कल्याण पूर्व शहर प्रमुख नीलेश शिंदे, कल्याण पूर्व विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण की उपस्थिति में भाजपा में मेगा भर्ती सुरु

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थित में विजय जोशी और शीतल मंढारी और केतन रोकड़े भाजपा में शामिल हो गए हैं। विधायक सुलभा गायकवाड़ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उनका स्वागत किया। रवींद्र चव्हाण ने कहा कि भाजपा हमेशा विजय जोशी और शीतल के साथ खड़ी रहेगी। इस अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। बता दें कि कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका द्वारा वार्ड की रचना पैनल प्रणाली से आरक्षण किए जाने के दूसरे दिन से ही विभिन्न दलों के नगर सेवक और पदाधिकारियों का दल बदना शुरू हो गया है। रविवार को भी कल्याण पूर्व भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड़ के कार्यालय में प्रवेश कार्यक्रम हुआ, जिसमें पूर्व नगर सेवक शीतल मंढारी, विजय जोशी, केतन रोकड़े, समेत तमाम लोगो ने भजपा में प्रवेश किया ।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक सुलभा गायकवाड़, जिला अध्यक्ष नंदू परब, कल्याण लोकसभा संपर्क प्रमुख नाना सूर्यवंशी, पूर्व नगर सेवक विक्की तरे, पूर्व नगर सेवक मनोज राय , विजय उपाध्याय,सुहाष म्हस्के,अभिमन्यु गायकवाड़, वैभव गायकवाड़,समेत भजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। इस प्रवेश कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष नंदू परब ने पत्रकारों को जानकारी देते हुवे कहा कि कल्याण - डोंबीवली में हमारा महापौर होगा क्यो की जनता भाजपा और मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष चव्हाण पर भरोसा करती है।

अर्पण द्वारा मुंबई में बाल सुरक्षा सप्ताह की शुरूआत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बाल लैंगिक शोषण खत्म करने के लिए कार्यरत संस्था अर्पण ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) और महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमएमओसीएल) के सहयोग से बाल सुरक्षा सप्ताह के 7वें संस्करण की शुरूआत की। इस साल का थीम 'पॉक्सोपकड़लेगा' है, जो अपराधियों को सख्त चेतावनी देता है और पॉस्को कानून की कड़ाई को रेखांकित करता है। अर्पण की गुडविल एंबेसडर विद्या बालन, और कलाकार मानव गोहिल, श्वेता कवात्रा व अनुप सोनी ने अभियान का समर्थन किया। बच्चों की सुरक्षा और पॉस्को कानून के प्रति जागरूकता निर्माण करने के उद्देश्य से लाइन 2अ और 7 की मेट्रो ट्रेन के सभी कोचों को पॉक्सोपकड़लेगा के सशक्त संदेशों से सजाया गया है। इस मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई। इस अवसर पर श्री नामदेव रबाडे, डायरेक्टर (ऑपरेशन्स), एमएमएमओसीएल , श्री मिलिंद महाजन, डायरेक्टर (वित्त), एमएमएमओसीएल, प्रसिद्ध अभिनेता मानव गोहिल, अभिनेत्री एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्वेता कवात्रा, सुश्री पूजा तापड़िया, संस्थापक और सीईओ, अर्पण, सुश्री नेहल पारेख, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, अर्पण, उपस्थित थे। इन गणमान्य अतिथियों ने अर्पण टीम के साथ एक प्रतीकात्मक यात्रा के रूप में गुंदवली से आरे स्टेशन तक उद्घाटित मेट्रो की सवारी की।

डॉ. संजय मुखर्जी, आईएएस, मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर, एमएमआरडीए इस समारोह में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने अपने शुभेच्छा संदेश में कहा, एमएमआरडीए, अर्पण के बाल सुरक्षा सप्ताह पहल का एक बार फिर समर्थन करते हुए बेहद खुश है। एमएमआर के सार्वजनिक परिवहन तंत्र को आकार देने वाली संस्था होने के नाते, हम दृढ़ता से मानते हैं कि हर नागरिक विशेषकर बच्चों की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। इस वर्ष के अभियान पॉक्सो पकड़ लेगा के माध्यम से, हम यह दोबारा स्पष्ट करना चाहते हैं कि बाल लैंगिक शोषण एक गंभीर और दंडनीय अपराध है, और हम नागरिकों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे हमारे साथ मिलकर हर बच्चे के लिए सुरक्षित और संरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने में सहयोग दें।

अभिनेत्री, उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता श्वेता कवात्रा हर बच्चे के सुरक्षा और सम्मान के अधिकार के लिए दृढ़ता से खड़ी हैं। उन्होंने कहा,ह्लमैंने जीवन में कई किरदार निभाए हैं, लेकिन एक माँ की भूमिका, जो अपने बच्चे की सुरक्षा करती है, उससे ज्यादा सशक्त कोई नहीं। यह मेरी आवाज हर उस बच्चे के लिए, जो सुरक्षित रहने का हकदार है।

प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता, मानव गोहिल, ने कहा अपराधियों को चेतावनी देने के लिए अर्पण के इस अभियान से जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है – मेरे बच्चे को गलत तरीके से छुआ, तो 'पॉक्सोपकड़लेगा। एक पिता होने के नाते, मैं हर माता-पिता और देखभाल करने वाले से भी अपील करता हूँ कि वे भी बच्चों की सुरक्षा के लिए आगे आएँ, साहसिक कदम उठाएँ और बाल लैंगिक शोषण के खिलाफ खुल कर आवाज उठाएँ। आइए, हम अपने बच्चों, उनके भविष्य के लिए एक सुरक्षित दुनिया बनाएँ, जहाँ वे निडर होकर बड़े हो सकें।

टाटा मोटर्स ने कर्व का नया संस्करण पेश किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने आज अपनी लोकप्रिय स्पोर्ट्स यूटिलिटी गाड़ी कर्व को नए और उन्नत फीचर्स के साथ लॉन्च किया है। कंपनी ने बेहतर इंजीनियरिंग तकनीक अपनाते हुए कर्व के पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक, सभी मॉडलों में केबिन की जगह बढ़ाई गई है। इससे यात्रियों को पहले से अधिक आराम, सुविधा और बेहतर ड्राइविंग अनुभव मिलेगा।

नए संस्करण में कई खास सुविधाएँ जोड़ी गई हैं, जिनमें शामिल हैं, भारत की पहली आर-कम्फर्ट सीटें जो हवा का प्राकृतिक प्रवाह बनाए रखती हैं, रियर सीट के लिए सनशेड स्क्रीन, पीछे बैठने वालों के लिए कप होल्डर, सफेद कार्बन फाइबर जैसी डैशबोर्ड सजावट, और ललितपुर ग्रे रंग के शानदार कृत्रिम चमड़े (लेदरेट) की सीटें। इन सुविधाओं के साथ कर्व यात्रियों को अपने वर्ग में सबसे आरामदायक और प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है।

कर्व में अब दो जोन वाला स्वचालित वातानुकूलन सिस्टम भी शामिल किया गया है, जो यात्रियों को अलग-अलग तापमान पर सुविधा देता है। इसी तरह, इसका इलेक्ट्रिक मॉडल कर्व ईवी अब और भी शानदार बन गया है। पीछे की सीट पर साथ बैठे यात्रियों के लिए आरामदायक फुटरेस्ट और एगोनोमिक हेडरेस्ट दिए गए हैं, जिससे सफर और अधिक सहज और आरामदेह हो जाता है।

यह नया संस्करण, अब कर्व के अकम्प्लिश्ड मॉडल में 14.55 लाख रुपये से उपलब्ध होगा, जबकि कर्व ईवी के अकम्प्लिश्ड और एमपावर्ड संस्करणों की शुरूआती कीमत 18.49 लाख रुपये रखी गई है। टाटा कर्व अपने अद्वितीय कूपे शैली के डिजाइन के कारण मिड-साइज एसयूवी वर्ग में एक अलग पहचान बनाती है। यह वाहन एटलस प्लेटफॉर्म (इंजन संस्करण के लिए) और एक्टिव ईवी आर्किटेक्चर (इलेक्ट्रिक संस्करण के लिए) पर तैयार किया गया है। दोनों मॉडल ईंधन की बचत और लंबी दूरी तय करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

युवाओं के मजबूत मन से बनेगा मजबूत राष्ट्रः डॉ.विनोद वर्मा

विश्वविद्यालय में 'मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण' कार्यशाला संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस केंद्र द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय 'मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता (पीएफए) प्रशिक्षण' कार्यशाला का समापन संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में हुआ। कार्यशाला में विद्यार्थियों को 'देखो, सुनो, जोड़ो' के मूल सिद्धांतों पर आधारित मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि उमानाथ सिंह मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा ने कहा कि युवाओं के मजबूत मन से मजबूत राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूक होना होगा। नियमित दिनचर्या, व्यायाम और अनुशासित जीवन इसके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम अपने और अपने परिवार जनों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का जितना जल्दी पहचान करेंगे उतना ही जल्दी उसका निराकरण कर पाएंगे।

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष तथा कार्यशाला के संयोजक प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल शैक्षणिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध रहा। मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता से हम किसी व्यक्ति को सही समय पर नई राह दिखा सकते हैं।

आयोजन सचिव एवं वेलनेस केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ.अन्नु त्यागी ने प्रशिक्षण की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जो सूचनाएं एकत्रित की गई हैं उसकी रिपोर्ट विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप ले सकते है।

विभाग की शिक्षिका डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में छात्रों, शोधार्थियों, अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

लखनऊ के ऐतिहासिक स्थलों ने बच्चों का बढ़ाया ज्ञान

अलफारूक पब्लिक स्कूल का शैक्षिक भ्रमण सम्पन्न

वसीम अहमद

सुईथाकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर क्षेत्र के अलफारूक पब्लिक स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करने हेतु एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विद्यालय से 15 नवंबर दिन शनिवार की प्रातः 7 बजे बस ने लखनऊ के लिए प्रस्थान किया। यात्रा का नेतृत्व शिक्षक जमीर अहमद ने किया। लखनऊ पहुँचकर विद्यार्थियों ने शहर के प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण किया। बच्चों में उत्साह देखते ही बन रहा था। विभिन्न स्मारकों और विरासत स्थलों के जरिये बच्चों ने इतिहास, स्थापत्य कला और संस्कृति से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण को सफल बनाने में एडमिन सुधीस सिंह, शिक्षक पवन कुमार, सुशील कुमार तथा फिज़िकल इंस्ट्रक्टर अमृता यादव सहित अन्य शिक्षकों ने पूरी जिम्मेदारी निभाई। सभी की सक्रिय उपस्थिति से यात्रा सुरक्षित और अनुशासित रूप से सम्पन्न हुई। शाम को विद्यार्थी सकुशल विद्यालय लौट आए। विद्यालय के प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान ने भ्रमण में सहयोग करने वाले समस्त स्टाफ सदस्यों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण बच्चों में व्यावहारिक सीख, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास करते हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार कमीशन की बैठक में सदस्यों को किया गया सम्मानित

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार कमीशन की एक बैठक 16 नवम्बर रविवार को माँ काली मन्दिर प्रांगण में स्थित प्रदेश कार्यालय परमानन्दपुर केराकत में राष्ट्रीय मानवाधिकार कमीशन के राष्ट्रीय प्रभारी रामअवध बाबा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में संगठन के नये सदस्यों को सदस्यता ग्रहण करानें और पुरानें सदस्यों के आईडी कार्ड के नवीनीकरण समेत संगठन के विस्तार पर प्रभारी ढ़ंग से प्रकाश डालते हुए मजबूती से कार्य करने का निर्णय किया गया। बैठक में नये सदस्यों का कार्ड वितरण और माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। बैठक में सम्बोधित करते हुए कमीशन के राष्ट्रीय सचिव बेदांत कुमार नें प्रकाश डालते हुए कहा कि मानवाधिकार कमीशन यदि माननीय न्यायालय में चल रहे मुकदमों को छोड़कर मानवाधिकार से सम्बन्धित किसी भी मामले में अपनें अधिकारों का प्रभावी ढंग से कार्य वाही कर सकता है। प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार द्वारा माल्यार्पण कर प्रमाण पत्र अपने हाथों से प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संगठन के राष्ट्रीय सचिव बेदांत कुमार द्वारा सफलता पूर्वक किया गया। बैठक में सचिन उत्तर प्रदेश दीपनारायन सिंह, वरिष्ठ पत्रकार कौशलेंद्र गिरी,प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल कुमार, पत्रकार व जिला सचिव जौनपुर मोहम्मद असलम खॉन, सूचना एवं प्रसारण मंत्री उत्तर प्रदेश संतोष कुमार, महासचिव उत्तर प्रदेश अवनीश प्रताप, जिला महासचिव अरविन्द कुमार सिंह, जिला मंत्री जौनपुर सोमेश सिंह, प्रीतेश सिंह, अरविन्द यादव, सोम सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका अहमः कौशलेंद्र सिंह

देश के एकीकरण में सरदार पटेल का योगदान महत्वपूर्णः रमेश सिंह

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लौह पुरुष, ह्यभारत रत्नह्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर रविवार को विधायक रमेश सिंह के नेतृत्व में लखनऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित महुआ तर, मिश्रा ढाबा के मैदान से पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में भारी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। राष्ट्र के निर्माण में सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए नमन किया गया।

मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं प्रतापगढ़ के प्रभारी कौशलेंद्र सिंह पटेल एवं विधायक का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि यह यात्रा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रनिर्माण के प्रति सरदार साहब के योगदान को नमन करने का अवसर है। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल ने छोटी-छोटी रियासतों में विभाजित भारत को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया। विधायक ने वल्लभ भाई पटेल को राष्ट्र की एकता और अखंडता का सूत्रधार बताया। विधायक ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के सपनों का भारत तभी बनेगा जब देश का हर नागरिक सभी मतभेदों को भुलाकर सकारात्मक दिशा की तरफ अग्रसर होगा। कहा कि भारत देश के एकीकरण में सरदार पटेल का योगदान महत्वपूर्ण है जिसे देश हमेशा याद रखेगा। सरदार वल्लभभाई पटेल दृढ़ निश्चय वाले लौह पुरुष के व्यक्तित्व थे। उन्होंने उन्हें सभी राजनीतिक दलों के लिए

राजनीति के क्षेत्र का प्रेरणा स्रोत बताया। यह पदयात्रा ब्लॉक परिसर अटल पार्क में संपन्न हुई।

जिला संयोजक एवं जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने भी संबोधित किया। आभार उत्तर -प्रदेश माटी कला बोर्ड के सदस्य एवं सुल्तानपुर के प्रवासी अजीत प्रजापति एवं संचालन शाहगंज के संयोजक राकेश वर्मा ने किया।प दयात्रा में भाजपा के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह, क्षेत्रीय मंत्री भाजयुमो काशी क्षेत्र पवन पाल, खुटहन के ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमार यादव, थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. रणंजय सिंह, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल जिला प्रभारी अशोक चौरसिया, बेचन सिंह, विजयलक्ष्मी साहू, अमरपाल मौर्य, नरेंद्र उपाध्याय, कार्यक्रम प्रभारी रामखेलावन वर्मा, बेचन पांडेय आदि शामिल हुए।

आशा ने किया धरना प्रदर्शन

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरसंड धमार्पुर में आशा दीदियों के द्वारा विभिन्न बिन्दुओं पर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुख्य मांगे बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान, प्रोत्साहन राशि में वृद्धि, राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा, मानदेय का नियमित भुगतान इत्यादि मांगों को लेकर सीएचसी के अधीक्षक श्रवण कुमार यादव को ज्ञापन दिया गया। इस मौके पर एआरओ अभिषेक मौर्य, बी सी पी एम सुधीर मौर्य तथा मीना देवी, रेखा मौर्य, सविता मौर्य अन्य आशा दीदी उपस्थित रही।

वाराणसी हाईवे सर्विस लेन पर दो बाइकों की भिड़ंत, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के बंगलाचट्टी स्थित हाईवे सर्विस लेन पर शनिवार की देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रोहनियां जगतपुर निवासी संजय पटेल और सूरज पटेल बाइक से कछवां रोड की ओर से राजातालाब की तरफ जा रहे थे। उसी समय कल्लीपुर (मिजार्मुराद) निवासी मनोज राजभर अपनी बाइक से स्थानीय बाजार की दिशा में बढ़ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मनोज रॉन्ग साइड से आ रहे थे, जिसके चलते बंगलाचट्टी स्थित सर्विस लेन पर दोनों बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने तत्काल हादसे की सूचना पुलिस को दी। मिजार्मुराद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भेजवाया।

भारत अब किसी पर निर्भर नहीं, अपनी ताकत से बढ़ रहा आगेः अनामिका चौधरी

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम भाजपा कार्यालय में भव्य प्रोफेशनल मीट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी का सीहीपुर कार्यालय में आयोजित आत्मनिर्भर भारत प्रोफेशनल मीट का कार्यक्रम आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंघानिया ने की और मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी उपस्थित रहीं सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के पुरोधा पं दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। उसके बाद वंदेमातरम गीत गाया गया। इस कार्यक्रम में जौनपुर के व्यवसायी, शिक्षाविद, चिकित्सक, इंजीनियर, महिला उद्यमी और युवा प्रोफेशनल्स बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नीति नहीं, बल्कि यह भारत की नई पहचान है एक ऐसा भारत जो अपनी जरूरतों के लिए किसी दूसरे देश पर निर्भर नहीं रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में आत्मनिर्भर भारत अभियान चला रही है इसके तहत सभी जिला मुख्यालयों पर बैठकें की जा रही हैं। जहां लोगों को यह संकल्प दिलाया जा रहा है कि हम स्वदेशी वस्तुएं अपनाएंगे और वोकल फॉर लोकल बनेंगे जैसा कि प्रधानमंत्री की सोच है, साल 2047 तक हमारा देश आत्मनिर्भर बने, इसी दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है केंद्र सरकार ने छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और स्थानीय उद्योगों को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं इससे न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है आज भारत विश्व पटल पर नई पहचान बना रहा है हमारे पड़ोसी देश और विदेशी ताकतें भारत की प्रगति देखकर चकित हैं लेकिन अब भारत किसी भी दबाव या प्रभाव में आने वाला नहीं है नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत की आत्मा को पुनः जगाने का काम किया है। युवाओं से अपील की कि वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और लोकल के लिए वोकल बनें। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति यदि अपने क्षेत्र के उद्योग और उत्पादों को आगे बढ़ाने का संकल्प ले, तो भारत जल्दी ही दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनेगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और वैश्विक मंच पर देश की स्थिति को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया है आज भारत चौतरफा विकास कर रहा है और भारत के आस पड़ोस के जो देश हैं। लगातार भारत की समृद्धि को देखकर यह सोच रहे हैं कि किस प्रकार हम या विदेशी ताकत भारत पर अपना नियंत्रण कर सकें परंतु नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब ऐसा संभव नहीं है। केंद्र की सरकार ने अधिक से अधिक व्यापारियों को मजबूत करने का काम किया है। उद्योगों को मजबूत करने का काम किया है जिससे रोजगार के नए-नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंघानिया ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि ह्यमेड इन इंडियाह्न की सोच को मजबूत बनाना है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, टरटए सेक्टर को सशक्त बनाना और नवाचार को प्रोत्साहित करना इस अभियान की मुख्य दिशा है आत्मनिर्भर भारत से देश के ग्रामीण इलाकों में भी नए अवसर बन रहे हैं कारीगर, बुनकर और छोटे उद्यमी अब अपनी पहचान बना रहे है आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है भारत को अपनी आवश्यकताओं के लिए आत्मनिर्भर बनाना, ताकि वह अपनी आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे। इसका उद्देश्य स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना, स्थानीय उद्योगों को मजबूत करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने की। उक्त अवसर पर पीयूष गुप्ता, मनोरमा मौर्य, रामसूरत मौर्य, ओमप्रकाश सिंह, आमोद सिंह, राधे रमन जायसवाल, अनिल गुप्ता, कृष्ण कुमार जायसवाल, अमर जौहरी, विमल भोजवाल, घनश्याम यादव, जितेंद्र मिश्र, सुरेन्द्र मिश्र, कमलेश निषाद, सुजीत सिंह, सारिका सोनी, अजय यादव, सुजीत सिंह, सुनील सेठ, अनिल सेठ, मुन्ना अग्रहरि, सतीश पांडेय, अवधेश सिंह, राकेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के नगर पालिका और नगर पंचायतों में 154 पदों पर होगी अधिशासी अधिकारी की भर्ती

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। यूपी में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में अधिशासी अधिकारियों (ईओ) के रिक्त पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरा जाएगा। स्थानीय निकाय निदेशालय ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। निदेशालय द्वारा अधिशासी अधिकारी श्रेणी एक के आठ, अधिशासी अधिकारी श्रेणी दो के चार, श्रेणी तीन के चार और नगर पंचायत के 138 पदों के लिए आवेदन मांगा गया था।

इस प्रकार पहले चरण में ईओ के 154 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस पद के लिए 10 अक्तूबर तक आवेदन मांगा गया था। बता दें कि प्रदेश में 200 पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतें हैं। अधिकांश नगर निकायों में ईओ के बहुत से पद वर्षों से खाली हैं। हालांकि नगर विकास विभाग ईओ के रिक्त पदों पर स्थाई भर्ती के लिए बहुत पहले ही प्रस्ताव उप्र लोक सेवा आयोग को भेज चुका है, लेकिन आयोग के स्तर पर अभी तक भर्ती की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। इस वजह से एक ईओ को दो से तीन निकायों का प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है।

आयोग के स्तर पर हो रहे विलंब को देखते हुए विभाग फिलहाल प्रतिनियुक्ति के आधार पर भर्ती कर-के काम चलाना चाहता है। हालांकि इससे पहले भी प्रतिनियुक्ति पर हुई भर्तियां विवादों में रही हैं इसी क्रम में स्थानीय निकाय निदेशालय ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर विभिन्न विभागों के समकक्ष अधिकारियों से आवेदन मांगा था। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 अक्तूबर थी। जल्द ही आवेदनों का परीक्षण करके भर्ती किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें रिक्त पदों पर तैनात किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पालिका सेवा के अंतर्गत नियुक्त कार्मिक प्रतिनियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। इसके साथ ही पूर्व में प्रतिनियुक्ति पर तैनात रहने वालों को भी पात्र नहीं माना गया है।

दो पट्टाधारक पर मुकदमा दर्ज,दो शव बरामद, रेस्क्यू ऑपरेशन

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। जनपद में ओबरा क्षेत्र स्थित बिल्लीझमारकुंडी खनन क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया है। रासपहाड़ी स्थित कृष्णा माइनिंग वर्क्स की खदान में अचानक पहाड़ का बड़ा हिस्सा दरक गया, जिसके नीचे कई मजदूर दब गए। घटना की सूचना मिलते ही ज़िला प्रशासन, पुलिस और उच्चाधिकारियों में हड़कंप मच गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रातभर से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। अब तक एक मजदूर का शव बरामद हुआ है। बाकी मजदूरों की तलाश जारी है। यह तस्वीरें ओबरा थाना क्षेत्र की है जहाँ बिल्लीझमारकुंडी खनन क्षेत्र के रासपहाड़ी में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया। करीब 4 बजकर 30 मिनट पर खदान में अचानक जोरदार धमाका जैसा शोर हुआ और देखते ही देखते पहाड़ी का एक भारी हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। कई मजदूर पत्थर और मलबे के नीचे दब गए। हादसे की खबर जंगल में आग की तरह पूरे जिले में फैल गई।

वही सूचना मिलते डीएम सोनभद्र, एसपी, अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम ओबरा और सीओ ओबरा मौके पर पहुँच गए। स्थानीय पुलिस ने बिना देर किए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। थोड़ी ही देर बाद एडीजी जोन वाराणसी पीयूष मार्डिया, विन्ध्याचल मंडल के आयुक्त और आईजी भी मौके पर पहुँचे। उन्होंने खदान का निरीक्षण किया और राहत-बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। रात होते-होते हालात और तनावपूर्ण हो गए लेकिन रेस्क्यू ऑपरेशन एक पल को भी नहीं रुका। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने रातभर जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने की कोशिश जारी रखी।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को किया जा रहा जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत समस्त थानों की मिशन शक्ति टीम द्वारा क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर वृहद स्तर पर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ शक्ति दीदी के रूप में जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारे में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है।

अपने अपने थाना क्षेत्र में महिलाओं/बालिकाओं/छात्र/छात्राओं को किया जा रहा है जागरुक। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं / बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना

श्रद्धा पूर्वक मनाई गई प्रख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ.रमेश चंद्र तिवारी 'गुरुजी' की 48वीं जयंती

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ज्योतिष के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपना अलग कीर्तिमान स्थापित करने वाले प्रख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ. रमेश चंद्र तिवारी 'गुरुजी' की 48 वीं जयंती केक काटकर शुक्रवार की देर शाम एसवीडी गुरुकुल महाविद्यालय दुमदुमा ऊंचगांव में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। जयंती के अवसर पर क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए दिए गए योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर सुन्दर काण्ड का सस्वर पाठ किया गया।

महाविद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों को अंगवस्त्र, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रबंधक एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ उमेश चंद्र तिवारी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ज्योतिषाचार्य गुरुजी ने क्षेत्र के चौमुखी विकास की आधारशिला रखी थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का सपना

ब्लॉक प्रमुख विद्या तिवारी साकार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में भागीदार बनना और लोगों के आंसू पोंछना उनके जीवन का उद्देश्य था। उन्होंने बताया कि ज्योतिषाचार्य का जीवन मानवता की सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहा। अत्यंत गरीब तबके, जरूरतमंद और शोषित-वंचित समाज को खुशहाली प्रदान करके ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। बताया कि गुरुजी ने शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं को धरातल पर लाने का काम किया। डॉ राकेश चंद्र तिवारी ने बताया कि परोपकार डॉ रमेश चंद्र तिवारी के जीवन का मूल मंत्र था। उन्होंने कहा कि अखिल ब्रह्मांड के कण- कण में अदृश्य एवं अखंड सत्ता के रूप में वह आज भी विराजमान हैं जिनकी अनुभूति करके यह शरीर रोमांचित हो जाता है। इस मौके पर प्रधान राजेंद्र प्रसाद तिवारी, शिवपूजन पांडेय, राजेश उपाध्याय, अमरजीत मिश्रा, विनोद पांडेय, विजय तिवारी, शुभम तिवारी, चंद्रभूषण सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों व विशिष्टजनों का हुआ सम्मान

उदयपुरवाटी। कस्बे की सूर्य नगर कॉलोनी के आयुर्वेदिक पंचकर्म हॉस्पिटल में एक विशेष अवसर पर कई चिकित्सको, नर्सिंग स्टाफ, पत्रकार एवं कई विशेष जनों को साधु संतों के सानिध्य एवं सीनियर जनों की उपस्थिति में सम्मान दिया गया।हॉस्पिटल के इंचार्ज डॉ विनोद कुमार सैनी ने बताया कि यहां आयुर्वेद चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद विद्या की ही पंचकर्म चिकित्सा सेवा भी उपलब्ध है। रोग निवारण में कांसा फुट मसाजर भी यहां काम में लिया जाता है।आयोजित हुए इस कार्यक्रम में ब्लाक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ब्लॉक आयुष चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. राकेश माहिच, बीसीएमओ डॉ.मुकेश भूपेश,डॉ.रविकांत महारिया, यूनानी के डॉ.जबीर खान,डॉ विजेंद्र कुमार,रवि कुमार, डॉ. दिनेश साईं,डॉ नीतेश सैनी, पोखर मल वैद्य जी, दूडा राम, बाबूलाल सैनी, राजूराम हलवाई,कन्हैया लाल कुमावत, सुशीला सैनी, सुमन सैनी, प्रियंका वर्मा,प्रीति वर्मा, राधेश्याम सैनी, दीपक शर्मा, डॉ. दिनेश सैनी, डॉ. विजेंद्र, कंचन शर्मा,अभिषेक सैनी, योगेश,करण वर्मा,भंवरलाल कुमावत, शिवपाल सैनी, महावीर सिंह, सुमन सैनी, सरोज, सहित कई अतिथि और घर परिवार के लोग उपस्थित रहे।

कालिदास कोळंबकर को जन्मदिन की हार्दिक शुभेच्छाएँ

मुंबई। वडाळा विधानसभा क्षेत्र के आमदार कालिदास कोळंबकर जी का जन्मदिन उनके जनसंपर्क कार्यालय, नायगाव झ वडाळा, मुंबई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उन्हें शॉल और पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभेच्छाएँ अर्पित की गईं। कार्यक्रम में समाजसेवक व समाजसेविका परिवर्तन संघटन, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन महाराष्ट्र व मुंबई की प्रतिनिधि श्रद्धा गोरगे, ज्योतिष सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आमदार कोळंबकर जी को जन्मदिन की बधाइयाँ दीं। आमदार कालिदास कोळंबकर जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी शुभेच्छुकों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था कराई।

चुनाव बाद पटरी पर लौटा जीवन बाजार में अब गांव से आने लगे लोग

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज दुर्गा पूजा, दीपावली, छठ और फिर विधानसभा चुनाव की व्यस्तताओं के बाद अब बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर व ग्रामीण हाट बाजारों में धीरे-धीरे जीवन पटरी पर लौटने लगा है। बाजारों में फिर से चहल-पहल बढ़ी है और सरकारी दफ्तरों में भी लोगों का आवागमन सामान्य होने लगा है। पहले विभिन्न तरह के जांच के भय से लोग गांव से शहर खरीददारी को आने में कतरा रहे थे। इधर एक माह तक चुनावी ड्यूटी में व्यस्त रहने के बाद सरकारी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने नियमित कार्यों में लौट आए हैं। वहीं आमलोग भी अब विभिन्न सरकारी कार्यालयों में अपने जरूरी कामों के लिए पहुंचने लगे हैं। चुनावी सरगर्मी और त्योहारों की भीड़भाड़ के कारण बीते कुछ सप्ताहों तक सरकारी दफ्तरों से जनता का नाता जैसे टूट सा गया था, लेकिन अब माहौल बदल गया है। बाजारों में खरीदारी शुरू हो चुकी है। शादी-विवाह का लग्न शुरू होते ही बाजारों में रौनक छा गयी है। टेंट और बैंड कारोबार में भी उछाल आ गयी है। किराना से साज-शृंगार और फुटवियर दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है। बाइक व इलेक्ट्रोनिक्स सामानों की खरीदारी भी तेज हो गयी है। शहर के रेडीमेड वस्त्र बाजारों में सबसे अधिक चहल-पहल देखने को मिल रही है। शादी-विवाह से जुड़े अन्य सभी छोटी-बड़ी खरीदारी के लिए भी बाजार में चहल-पहल है। दुकानदारों ने बताया कि चुनाव को लेकर बाजार की रौनक कम हो गया था। चुनाव खत्म होते ग्राहक अब शादी ब्याह के कपड़ों, सूट, शेरवानी और पार्टी वियर की खरीदारी करने आ रहे है।सरकारी कार्यालयों में कामकाज पटरी पर आ गया है और शहर की रफ्तार फिर सामान्य होती दिख रही है।

पुलिस मुठभेड़ में घायल समेत तीन गिरफ्तार

आजमगढ़। पवई थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में हत्या के मुकदमे का मुख्य आरोपी नीरज पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसके दो साथी शिवशंकर उर्फ शंकर और सूरज उर्फ मंटू को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस, मोटरसाइकिल और हत्या में प्रयुक्त तीन डंडे बरामद किए। 48 घंटे में यह चौथी मुठभेड़ है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अपनी टीम के साथ क्षेत्र में रात्रि गश्त पर थे। वह 13 नवंबर को ओरिलझकेवटाना में नरेंद्र बिंद की हत्या के तीनों आरोपियों की तलाश कर रहे थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी बाइक से गुजरने वाले हैं। पुलिस ने रसूलाबाद मोड़ के पास घेराबंदी की। थोड़ी देर बाद एक बाइक पर तीन संदिग्ध दिखाई दिए। रोकने पर एक आरोपी ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी नीरज के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी पवई भेजा गया। पुलिस ने मौके से जौनपुर जनपद के खुटहन थाना क्षेत्र के पिलकिच्छा गांव निवासी शिवशंकर उर्फ शंकर और पवई थाना क्षेत्र के ओरिल केवटाना गांव निवासी सूरज उर्फ मंटू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते 13 नवंबर की सुबह करीब 4.30 बजे नरेंद्र बिंद को खेत के पास चकरोड पर रोककर डंडों से पीटकर हत्या करने की बात कबूल की। आजमगढ़। जिले में इस साल अब तक में 29 मुठभेड़ में 42 की अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 31 बदमाशों के पैर में गोली लगी है। वहीं, एसटीएफ व जिले की पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को ढेर कर दिया। पुलिस ने इस साल एक जनवरी से ही अपराधियों पर शिकंजा करना शुरू कर दिया था।

एस एम पब्लिक इंग्लिश स्कूल में मनाया गया बालदिवस

आचार्य सूरजपाल यादव

प्रयागराज । प्रयागराज जिले के चिरैया का पूरा बरावां में महादेव शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस एम पब्लिक अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर बाल दिवस व बाल मेला का अयोजन किया गया । बतादें कि इस अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरु की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी । वहीं स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में बालमेला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ के स्टाल लगाकर व्यवसायिक शिक्षा का अनुभव लेते हुये आर्थिक लाभ उठाये । वहीं बच्चों द्वारा लगाये गये स्टाल पर बच्चों ने खाद्य पदार्थ के स्वाद का आनंद लिया । इस आयोजन में विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप यादव के मार्गदर्शन में व्यवस्थापक रमेशचंद्र यादव की देखरेख में विद्यालय के प्रिंसिपल खुशबू खान, सहायक अध्यापिका ममता कश्यप, कल्पना आर्या, भूमि जयसवाल, गरिमा श्रीवास्तव, ममता पाल, सहायक अध्यापक अमित चौहान, हर्षित कुशवाहा आदि अध्यापक/ अध्यापिकाओं व अन्य अतिथि तथा विद्यार्थियों का भारी संख्या में समावेश था।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत: रंग लाई बाबू भाई भवानजी की मेहनत

मुंबई। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मुंबई भाजपा के वरिष्ठ नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी द्वारा की गई भारी मेहनत रंग लाई और इस चुनाव में एनडीए ने प्रचंड जीत हासिल की है। बता दें कि जैसे ही चुनाव नजदीक आया वैसे ही भवानजी ने मुंबई में रह रहे प्रवासियों के साथ बैठक करके उनसे एनडीए का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने बड़ी संख्या में प्रवासियों को गांव भेजा और मुंबई मे रहेने वाले बिहार के लोगो की बस्ती ओ मे जाके उन्हे बीहार मे रहने वाले उनके स्वजन. परीचीतो को बिहार के विकास के लिए एनडीए को वोट देने के लीये उनसे फोन करवा के एनडीए के मतों को बढ़ाने का काम किया। चुनाव प्रचार के दौरान भवानजी ने मिथिलांचल, सीमांचल और भोजपुर इलाके में अपनी टीम के साथ सघन प्रचार अभियान चलाया जिससे एनडीए के पक्ष में माहौल तैयार हुआ। गौरतलब है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार में भारी जीत दर्ज की है और राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 202 से ज्यादा पर प्रभावशाली बढ़त बना ली है। शुरूआती रुझानों से यह भी संकेत मिल रहा है कि भगवा पार्टी शानदार स्ट्राइक रेट के साथ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने की राह पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिए गए दृढ़ समर्थन से जद(यू) को भी अच्छा लाभ हुआ है। जद(यू) 2020 के बाद से अपनी सीटों की संख्या में भारी सुधार की ओर अग्रसर है। 2020 में उसने केवल 43 सीटें जीती थीं, लेकिन अब वह 84 से अधिक सीटों पर आगे चल रही है। प्रधानमंत्री के स्वयंभू हनुमान और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रालोद) 19 से अधिक सीटों पर आगे चल रही है, जो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए एक शानदार प्रदर्शन है कि उसने केवल 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस, जिसने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था और इनमें से कई सीटों पर सहयोगियों के साथ दोस्ताना लड़ाई लड़ी थी, बिहार में अपनी बेबस पार्टी होने की प्रतिष्ठा पर खरी उतरी है। हालांकि, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब तक इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाए हुए हैं और जोर देकर कहते रहे हैं कि एनडीए का नेतृत्व बिहार में नीतीश कुमार कर रहे हैं, यह रणनीति शायद इस तथ्य को देखते हुए अपनाई गई है कि भाजपा, जिसके पास लोकसभा में बहुमत नहीं है और जो सत्ता में बने रहने के लिए जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे सहयोगियों पर निर्भर है।

भारत में इस्पात डीकार्बोनाइजेशन के प्रयासों की कुंजी है स्क्रैप: एमजंक्शन का स्टील कॉन्फ्रेंस

मुंबई। इस्पात उद्योग में हरित इस्पात (ग्रीन स्टील) के उत्पादन के लिए स्क्रैप एक प्रमुख कच्चे माल के रूप में उभर रहा है यह बात एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा आयोजित 12वें इंडियन स्टील मार्केट्स कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने कही। इस्पात ऐसी कुछ सामग्रियों में से एक है जिसे बार-बार रीसायकल किया जा सकता है बिना इसकी गुणवत्ता या मजबूती खोए। यही इसे औद्योगिक विकास और सततता (सस्टेनेबिलिटी) दोनों का मेरुदंड बनाता है। भारत में वर्तमान में लगभग 42 मिलियन टन स्क्रैप का उपभोग किया जाता है और यह हर साल 6% से अधिक की दर से बढ़ रहा है। हर साल लगभग 9 मिलियन टन स्क्रैप का आयात भी किया जाता है, एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विनया वर्मा ने दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा। सस्टेनेबिलिटी अब विकल्प नहीं, बल्कि एक रणनीति है, सेल के कार्यकारी निदेशक सैयद जावेद अहमद ने कहा। उन्होंने बताया कि कैसे सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी हरित इस्पात के विकसित होते मानकों के अनुरूप खुद को तैयार कर रही है। आईसीआईआरए के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं ग्रुप हेड (कॉरपोरेट सेक्टर रेटिंग्स) गिरीशकुमार कदम ने कहा, जहां सरकारी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) इस्पात उपयोग का लगभग 60% बढ़ा रहा है, वहीं भारत की युवा और तेजी से बढ़ती आबादी भी मांग को प्रोत्साहित कर रही है। बढ़ती मांग और उत्पादन के साथ-साथ कच्चे माल की आपूर्ति चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (रॉ मटेरियल्स) संदीप कुमार ने कहा कि कोकिंग कोल का आयात लंबे समय में महंगा साबित होगा, वहीं लौह अयस्क खानों के लिए आक्रामक बोली प्रक्रिया घरेलू लागत को भी बढ़ा रही है।

सम्मेलन में डीकार्बोनाइजेशन के अलावा वैश्विक और घरेलू बाजार के अस्थिर परिदृश्य, नीतिगत बदलावों, व्यापारिक गतिशीलता और सतत विकास की अनिवार्यता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई, जो भारत की इस्पात वृद्धि यात्रा को आकार दे रहे हैं। पिछले दो दशकों से एमजंक्शन संगठित स्क्रैप व्यापार को अग्रणी रहा है, जो ऑटो ओईएम, ईपीसी साइट्स, प्लांट एवं मशीनरी यूनिट्स तथा विभिन्न औद्योगिक स्रोतों से सामग्री का प्रबंधन करता है। एमजंक्शन ने रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज (RVSFs) से बिक्री को सक्षम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है और पिछले छह वर्षों से संगठित खरीदारों के लिए स्क्रैप की सोर्सिंग भी सक्रिय रूप से कर रहा है, श्री वर्मा ने बताया।

द रेड वेलवेट समर्पण होटल ने मनाई अपनी चौथी वर्षगांठ, ग्राहकों को 40 प्रतिशत तक की विशेष छूट

पटना (उत्तरशक्ति)। अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रसिद्ध किदवईपुरी स्थित द रेड वेलवेट समर्पण होटल ने राजधानी में सफलतापूर्वक अपने चार वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर होटल प्रबंधन ने केक काटकर होटल की चौथी वर्षगांठ को बड़े हीं धूमधाम से मनाया। इस मौके पर होटल के डायरेक्टर स्पर्धा कोहली ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हमें बहुत प्रसन्नता हो रही है कि द रेड वेलवेट होटल ने सफलतापूर्वक अपने चार वर्ष पूरे कर लिए। विगत चार वर्षों में होटल ने अपने उत्कृष्ट सेवाओं से ग्राहकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वहीं होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि वर्ष 2021 में शुरू हुआ यह होटल आज टॉप फैमिली व व्यावसायिक होटलों में गिना जा रहा है। इसके लिए मैं अपने टीम मेम्बर, कर्मचारियों व अपने अतिथियों का धन्यवाद करता हूं। अपने संबोधन में होटल के जेनरल मैनेजर दीपक कुमार ने बताया कि यह होटल सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण है जिसमें रेस्टुरेंट, 5 बैंकवेट हॉल, 52 आधुनिक सुसज्जित कमरे, लिफ्ट, पार्किंग सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि हाल में ही हमने एक ओपन बैंक्वेट औरा की भी शुरूआत की है जिसकी क्षमता 300-500 लोगों की है। प्रेस वार्ता में होटल के सेल्स डायरेक्टर शिवम सिंह ने कहा कि इस वर्षगांठ पर हम अपने ग्राहकों को फूड आइटम्स पर 40 प्रतिशत की विशेष छूट दे रहे हैं जो कि 20 नवंबर, 2025 तक वैध होगा। उन्होंने कहा कि हम अपने मेहमानों के बहुमूल्य सुझाव का स्वागत करते हैं और उन पर अमल करके उसे दूर करने की भरपूर कोशिश करते हैं। वहीं होटल के एग्जीक्यूटिव शेफ अनुज वत्स ने बताया कि होटल ने समय - समय पर फूड फेस्टिवल आयोजित कर ग्राहकों को संतुष्ट करने की भरपूर कोशिश की है। हमारा उद्देश्य अतिथियों को बेहतर खाना और सुविधा उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर होटल के ऑपरेशन मैनेजर अविनाश कुमार, सीएसओ अवधेश सिंह, फाइनेंस मैनेजर अखिलेश कुमार, एचआर मैनेजर अनुरंजन, एफ एंड बी मैनेजर अमित भरद्वाज सहित होटल के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरंभ विश्वरंग मुंबई 2025 महोत्सव का आयोजन

मुंबई। विश्व स्तर पर भारतीय भाषाओं, कलाओं और संस्कृति को समर्पित विश्वरंग के सातवें संस्करण की सांस्कृतिक यात्रा की शुरूआत आरंभ विश्वरंग मुंबई 2025 के माध्यम से मुंबई विश्वविद्यालय के ग्रीन टेक्नोलॉजी ऑडिटोरियम में हुई। दो दिवसीय इस महोत्सव ने भारतीय भाषाओं की विविधता, साहित्यिक परंपराओं और कलात्मक विरासत को केंद्र में रखते हुए विविध सत्रों और प्रस्तुतियों के माध्यम से एक जीवंत संवाद रचा। इस महोत्सव का उद्घाटन रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्वरंग फाउंडेशन के निदेशक संतोष चौबे ने किया। मंच पर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, डॉ. करुणा शंकर उपाध्याय, डॉ. विजय सिंह और महाराष्ट्र पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कृष्ण प्रकाश जैसे विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सुरुचि मेहता द्वारा मंगलाचरण से हुई, जिसने पूरे आयोजन को एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा प्रदान की। श्री कृष्ण प्रकाश ने भारतीय भाषाओं में निहित सांस्कृतिक पहचान को रेखांकित किया, वहीं श्री चौबे ने विश्वरंग की भूमिका को वैश्विक मंच पर भारतीय भाषाओं के संवर्धन के रूप में प्रस्तुत किया।

भाषा, साहित्य और संवाद के विविध आयामः महोत्सव के दौरान आयोजित सत्रों में भारतीय भाषाओं की अंतर्संवादिता, हिंदी लघुकथा का विकास और बहुभाषी कविता की समृद्ध परंपरा पर चर्चा हुई। ओम थानवी, सूर्यबाला, ए. अरविंदाक्षन और संतोष चौबे जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने विचार साझा किए।

इस अवसर पर विश्वरंग संवाद और वन्माली कथा के विशेष संस्करणों का लोकार्पण भी हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम और रंगमंचीय संवादः पहले दिन मुंबई विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट्स विभाग द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों को भारतीय लोक और शास्त्रीय कलाओं की विविधता से परिचित कराया। संगीत, नृत्य और नाट्य की प्रस्तुति ने आयोजन को जीवंतता प्रदान की।

रंगमंच पर केंद्रित सत्र में रंगमंच के वरिष्ठ कलाकारः वामन केंद्रे, जयंत देशमुख, प्रीता मथुर और अखिलेंद्र मिश्रा ने मंचीय शिल्प, अभिनय और स्वः हबीब तनवीर की रंग परंपरा पर संवाद किया। रंग संवाद हबीब तनवीर संस्करण का लोकार्पण भी इसी सत्र में हुआ। सिनेमा और विज्ञान संचार में भाषाओं की भूमिकाः सिनेमा के माध्यम से भाषाई और सांस्कृतिक विमर्श पर केंद्रित सत्र में पुरुषोत्तम अग्रवाल, अशोक मिश्रा, अनंग देसाई, रूमी जाफरी, अजय ब्रह्मात्मज, सलीम आरिफ और छाया गांगुली जैसे प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वरंग संवाद का सिनेमा विशेषांक भी जारी किया गया। लोक कला की थापों में शुरूआत, भोपाल में अगली भव्य प्रस्तुति की घोषणाः आरंभ के मंच पर मुंबई विश्वविद्यालय की लोक कला अकादमी द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य ने सांस्कृतिक ऊर्जा का संचार किया। श्री संतोष चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि यह कोई समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है– भारतीय भाषाओं और कलाओं को लेकर एक व्यापक संवाद की। इसी क्रम में उन्होंने घोषणा की कि विश्वरंग का अगला भव्य आयोजन विश्वरंग भोपाल 27, 28 और 29 नवम्बर 2025 को आयोजित होगा।

स्नेहा दुबे पंडित ने नारी शक्ति महिला उद्योगिनी प्रदर्शनी में लिया हिस्सा

वसई रोड। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वसई रोड पर आयोजित नारी शक्ति महिला उद्योगिनी प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में स्थानीय महिला उद्यमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया और महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों तथा स्टार्टअप पहल की सराहना की। प्रदर्शनी का उद्देश्य ऐसे प्लेटफॉर्म का निर्माण करना है जहाँ महिलाएँ अपने हुनर, कौशल और व्यवसाय को प्रदर्शित कर सकें, साथ ही नए अवसरों और नेटवर्किंग के माध्यम से अपने व्यापार का विस्तार कर सकें। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह प्रदर्शनी महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम मानी जा रही है। आयोजक श्रीमती वंदना वी. पाटिल को शुभकामनाएँ देते हुए स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि वसई की महिलाओं की प्रगति समाज के लिए प्रेरणा है और ऐसी पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी का संदेश तभी सार्थक होगा जब महिलाएँ आगे बढ़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में नेतृत्व करें। वसई-विरार की प्रगति में महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी एक नया अध्याय लिख रही है और यह प्रदर्शनी उसी बदलाव की एक महत्वपूर्ण झलक है।

डॉ. फूलचंद्र कन्नौजिया चौथी बार बने ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन जौनपुर का द्विवार्षिक अधिवेशन रविवार को शहर के एक होटल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य कर्मचारी परिषद के जिला उपाध्यक्ष राजेश यादव रहे। अधिवेशन में सर्वसम्मति से डॉ. फूलचंद्र कन्नौजिया को चौथी बार अध्यक्ष चुना गया, जबकि रामकृष्ण पाल को जिला मंत्री और संजय श्रीवास्तव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। नई कार्यकारिणी में प्रांतीय प्रतिनिधि के रूप में दुर्गेश तिवारी, संगठन मंत्री मीना रानी, धर्मेंद्र राय, संयुक्त मंत्री अमित सिंह तथा कोषाध्यक्ष सुजीत यादव को चुना गया। संरक्षक आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण रूप से विश्वास है कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष संगठन की मंशा पर खरा उतरने का काम करेंगे। कहा कि अध्यक्ष कर्मचरियाओं के हित का मुद्दा अत्यंत मजबूती से उठायेंगे। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने चौथी बार अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने पर शीर्ष नेतृत्व और संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। कहा कि वह हमेशा संगठन की उम्मीद पर खरा उतरते हुए न्याय की हर संभव लडाई लड़ेंगे। विशिष्ट अतिथि देवेश कुमार यादव जिला मंत्री रहे। इस अवसर पर कृष्ण कुमार मिश्रा, देवेंद्र सिंह, कृतिका मिश्रा, प्रदीप श्रीवास्तव, विपिन यादव, प्रमोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विकास खण्डों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो-चार दिन में तैयार हो जाएगा सरकार बनाने का खाका: जितेंद्र स्वामी

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार में एनडीए के ऐतिहासिक जीत पर भाजपा नेता व कुंवर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी ने महाराजगंज स्थित वार्ड नंबर 1 में अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता के दौरान कहा एनडीए ने बिहार में रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की है। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह पर जितेंद्र स्वामी ने सरकार गठन का काम तुरंत हो जाएगा विधायक लोग पटना कुंज कर गए हैं। सरकार के खाके पर स्पष्टता आ जाएगी। मुझे लगता है कि आज या कल तक खाका तैयार हो जाएगा। 22 नवंबर से पहले सरकार बनानी है। यह हो जाएगा। वहीं रोहिणी आचार्य के राजनीति छोड़ने पर उन्होंने कहा, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा यह लालू जी के परिवार की बात है। हमारे राजनैतिक मतभेद जरूर हैं, लेकिन मैंने हमेशा लालू प्रसाद यादव के परिवार को अपना परिवार माना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि यह पारिवारिक विवाद जल्द से जल्द सुलझे।

राजस्व महाअभियान का आधा काम पूरा, त्रुटिपूर्ण दस्तावेजों पर जारी होगी नोटिस एसडीएम

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिवान के महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में रुके हुए विकास कार्यों को एक बार फिर गति मिलने जा रही है। एसडीएम अनीता सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनावी प्रतिबंधों के कारण कई सरकारी योजनाएँ और कार्य अस्थायी रूप से थमे हुए थे, लेकिन अब उन्हें पुनः प्रारंभ करने की तैयारी शुरू हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व महाअभियान सहित पंचायत राज विभाग और नगर विकास विभाग की योजनाओं को जल्द ही सक्रिय किया जाएगा। एसडीएम श्रीमति सिन्हा ने बताया कि राजस्व महाअभियान का आधे से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। इसमें भूमि संबंधी दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन प्रमुख कार्य रहा। डिजिटाइजेशन के बाद जिन आवेदनों या दस्तावेजों में कमी या त्रुटि पाई जाएगी, उनके लिए संबंधित आवेदकों को नोटिस भेजा जाएगा। इसके बाद निर्धारित तिथि पर उनकी सुनवाई की जाएगी, ताकि सभी मामलों का निष्पादन पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह महाअभियान में भूमि रेकॉर्ड की सटीकता और अद्यतन व्यवस्था करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एसडीएम ने आगे बताया कि पंचायत राज विभाग की कई नई योजनाएँ चुनाव आचार संहिता के चलते अधर में लटकी थी, इन योजनाओं में सड़क निर्माण, नाली निर्माण, सामुदायिक भवन, जल निकासी एवं ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। चुनाव समाप्त होने के बाद इन सभी योजनाओं पर पुनः काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा, ताकि पंचायत स्तर पर बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तेज्जी से हो सके। नगर विकास विभाग की योजनाओं पर भी अब तेजी से प्रगति होगी। नगर क्षेत्र में सड़क मरम्मती, जलजमाव की समस्या का समाधान, कचरा प्रबंधन, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, और शहरी सौंदर्याकरण से जुड़े कार्य चुनाव के दौरान रुके थे। एसडीएम ने कहा कि अब इन सभी योजनाओं को पुनः पटरी पर लाया जाएगा। नगर क्षेत्र के निवासियों को जल्द ही इन विकास कार्यों का प्रत्यक्ष लाभमिलेगा। मनरेगा योजना के संदर्भ में उन्होंने बताया कि चुनाव के कारण कई पंचायतों में मिट्टी कार्य, तालाब खुदाई, चेकडैम निर्माण, जल संरक्षण एवं रोजगार सृजन से जुड़े कार्य बाधित हुए थे। अब आचार संहिता हटने के बाद मनरेगा के सभी कार्यों को गति दी जाएगी। इससे ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और पंचायतों में अधूरे पड़े विकास कार्य भी पूरे किए जाएंगे। एसडीएम ने कहा कि जिला प्रशासन चुनाव के बाद विकास प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी विभागों को निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे अपने-अपने अधूरे कार्यों की सूची तैयार कर त्वरित कार्रवाई शुरू करें, ताकि जनता को राहत और सुविधाओं का विस्तार जल्द से जल्द मिल सके।